दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

भारत टाइम्स

D.Edition.....

Reg.No.RJ26D00120077

www.bharattimesnews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

bharattimesnews01@gmail.com

विचार

यूँ तो समस्या जिंदगी मे हर किसी के लिए हर दिन खड़ी है. पर जीतता वही है जिसकी सोच बड़ी है.

पेज-8

वर्ष- 2 | अंक- 293 | पेज-8 | दिल्ली, सोमवार 02 दिसम्बर 2024 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना का देखा प्रेजेटेंशन

अच्छी सोच और बेहतर प्रबंधन के साथ बनाई गई है सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना: नड्डा

♦भारत टाइम्स♦
भोपाल/उज्जैन

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने उज्जैन प्रवास के दौरान रविवार शाम को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना और तैयारियों संबंधी प्रेजेंटेशन देखा। उन्होंने सिंहस्थ के लिये तैयार की गई विकास कार्ययोजना के प्रेजेंटेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस सोच के साथ कार्ययोजना तैयार की गई है, उसे जमीन पर उतारा गया तो उज्जैन अपनी संस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक विरासत को संजोने में सफल होगा। उज्जैन अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत को समेटे हुए है। सिंहस्थ के लिये तैयार की गई कार्ययोजना से उज्जैन का पुरातन वैभव पुनः लौटेगा और राजा विक्रमादित्य की अवंतिका का स्वरूप प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रेजेंटेशन के दौरान कपिला गौशाला और शिप्रा को प्रवाहमान बनाने की कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना से कम से कम कीमत में क्षिप्रा को अविरल एवं स्वच्छ कर पाएंगे। सिंहस्थ 2028 में क्षिप्रा नदी में क्षिप्रा के जल से ही स्नान होगा। उन्होंने गौवंश को सुरक्षित करने की कार्ययोजना के संबंध में बताया कि सभी प्रमुख

शहरों में 10 हजार गौवंश को रखने के लिए गौशालाएं बनाई जा रही है। कम से कम खर्चे और कम मानव शक्ति का प्रयोग कर इन गौशालाओं का संचालन किया जाएगा।

क्षिप्रा जल से ही होगा सिंहस्थ-2028 में स्नान : डॉ यादव

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी के दोनों ओर बेसाल्ट पत्थर से स्थायी घाटों का निर्माण होगा, जिससे आने वाले समय में क्षिप्रा नदी के स्वरूप को स्थायित्व मिलेगा और आगामी सिंहस्थों में अतिरिक्त घाटों के निर्माण की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ-2028 तक शिप्रा नदी को प्रवाहमान एवं अविरल करने के लिए कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेडी-सिलारखेडी मध्यम परियोजना तथा कान्ह एवं क्षिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण, बेसाल्ट से घाटों का निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को उज्जैन शहर में क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, जिससे कि मोक्ष दायिनी क्षिप्रा नदी का जल पवित्र बना रहे। इस परियोजना में ग्राम जमालपुर तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जाना है, जिससे कान्ह नदी के दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से व्यपवर्तित किया जाना है। परियोजना की कुल लम्बाई 30.15 कि.मी. है जिसमे 18.15 कि.मी. लम्बाई में कट एवं कवर द्वारा क्लोज डक्ट का निर्माण होना है तथा 12 किमी लम्बाई में टनल का निर्माण किया जाना है, इसकी कुल लागत राशि रुपये 920 करोड़ है तथा पूर्णता अवधि 36 माह है। कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण सेवरखेडी सिलारखेडी मध्यम परियोजना क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए है। परियोजना अंतर्गत ग्राम सेवरखेडी तहसील उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर बैराज निर्माण किया जाना है, जिससे वर्षा काल के जल का उद्वहन कर ग्राम सिलारखेड़ी तहसील उज्जैन में स्थित सिलारखेडी तालाब में एकत्रित किया जाना प्रस्तावित है। वर्षा काल उपरांत सिलारखेडी तालाब में संग्रहीत जल को ग्राम कुंवारिया के समीप क्षिप्रा नदी में पुनः प्रवाहित किया जाएगा। इस परियोजना की लागत राशि रुपये 614.53 करोड़ है तथा यह परियोजना 30 माह में पूर्ण किया जाना लक्षित है। इसके अतिरिक्त कान्ह नदी पर 5 एवं क्षिप्रा नदी पर 1 बैराज बनाया जाएगा, जिसकी कुल लागत 37 करोड़ रुपये है।

सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान करने हेतु क्षिप्रा नदी पर कुल 29 कि.मी. लम्बाई में शनि मंदिर से नागदा बायपास तक घाटों का निर्माण किया जाएगा। उक्त योजना की कुल लागत राशि रुपये 778.91 करोड़ है, तथा प्रस्तावित पूर्णता अवधि 36 माह है। घाटों पर भारी मात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बसाल्ट स्टोन लेयिंग की जाएगी। सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के सुगम एवं गतिशील पहुँच के लिए रोप-वे रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक, रेलवे स्टेशन का उन्नयन, सदावल हेलिपैड तथा एअरस्ट्रिप का उन्नयन तथा बहुदिशात्मक रोड परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रेजेंटेशन में संभागायुक्त संजय गुप्ता एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने जानकारी दी कि रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक रोप-वे निर्माण किया जा रहा है।

25 साल में 16 फीट धंस गया जकार्ता, जल्द समुद्र में समा जाएंगे न्यूयॉर्क समेत ये बड़े शहर!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व में जलवायु परिवर्तन का असर साफ देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर लोगों को सूखे का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर बेमौसम बारिश ने आम जन-जीवन को बेहाल कर दिया है, लेकिन क्या आप जानते हैं इस जलवायु परिवर्तन बड़े शहरों पर बहुत ज्यादा है? दरअसल न्यूयॉर्क, जकार्ता और मैक्सिको सिटी जैसे शहर जल्द समुन्द्र में समां जाएंगे। इन शहरों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन शहरों का अस्तित्व जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

आपको जानकर हैरानी होगी कि इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता, दुनिया का सबसे तेजी से डूबने वाला शहर है। पिछले 25 सालों में यह 16 फीट धंस चुका है। जकार्ता में भूजल का अत्यधिक दोहन, सूखे दलदलों पर बनी इमारतें, और बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से यह डूब रहा है. कुछ शोधकताओं का मानना है कि अगर धंसाव की समस्याओं का समाधान न किया गया, तो साल 2050 तक शहर के कुछ हिस्से पूरी तरह से बाढ़ग्रस्त हो सकते हैं। इसके अलावा मेक्सिको सिटी में जमीन धंसने की वजह भूजल का अत्यधिक दोहन है. जब भूमिगत जल को ऊपर की ओर पंप किया जाता है, तो रेत, ढीले पत्थर, या मिट्टी जैसी सामग्री पानी से भरे छेद पर कब्जा कर लेती है. बांग्लादेश की राजधानी ढाका में जमीन धंसाव की समस्या है।

BJP नेता का दावा : महाराष्ट्र के सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम तय

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार रात को बताया कि महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है, जिन्हें दो या तीन दिसंबर को होने वाली बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा. इससे पहले, निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह नये मुख्यमंत्री के चयन के भाजपा के फैसले का समर्थन करेंगे।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने पीटीआई-भाषा' को बताया, महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के तौर पर देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है. भाजपा के नए विधायक दल की बैठक दो या तीन दिसंबर को होगी."

शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे को उपमुख्यमंत्री का पद और शिवसेना को गृह विभाग दिए जाने की अटकलों पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि महायुति की तीनों सहयोगी शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) आम सहमति से इस पर फैसला करेंगी।

भाजपा ने घोषणा की है कि नयी महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे।

भाजपा सतर्कता के साथ कदम बढ़ रही है, क्योंकि उसके सहयोगी दलों, खासकर शिवसेना की आकांक्षाएं चुनाव में मिली भारी जीत के बाद काफी बढ़ गई हैं. महायुति की एकता पर शिंदे के जोर देने के बावजूद, सहयोगी दलों के कुछ नेताओं ने अलग-अलग राय रखी।

वहीं, शिवसेना विधायक गुलाबराव पाटिल ने दावा किया कि यदि अजित पवार की राकांपा गठबंधन का हिस्सा नहीं होती तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी ने चुनावों में 90-100 सीटें जीती होतीं. इस पर अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

नेता चुनने के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक अभी तक नहीं हुई है. शिवसेना और राकांपा ने अपने-अपने नेता चुन लिए हैं।

महायुति के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गठबंधन के घटक दल मिलकर तय करेंगे कि पांच दिसंबर को सिर्फ मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ही शपथ लेंगे या मंत्रियों को भी शपथ दिलाई जाएगी. शिंदे शुक्रवार को सतारा जिले में अपने पैतृक गांव चले गए थे. गांव में उन्हें तेज बुखार हो गया. ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नयी सरकार के गठन से खुश नहीं हैं.मुंबई रवाना होने से पहले रविवार को अपने गांव में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा, ह्यहमैं पहले ही कह चुका हूं कि भाजपा नेतृत्व द्वारा मुख्यमंत्री पद पर लिया गया निर्णय मुझे और शिवसेना को स्वीकार्य होगा तथा उसे मेरा पूरा समर्थन होगा."यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पुत्र और लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे को नयी सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और क्या शिवसेना ने गृह विभाग के लिए दावा पेश किया है, शिंदे ने कहा, ह्यहबातचीत चल रही है."

अल्लू अर्जुन, एक्टर के खिलाफ दर्ज हुई FIR

एजेंसी ■ जयपुर

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की रिलीज से पहले मुंबई में इसे लेकर एक इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें अभिनेता भी अपनी मूवी को प्रमोट करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने फैंस से बात करते हुए कहा कि मेरे पास फैंस नहीं, बल्कि फैंस की आर्मी है। मैं अपने सभी फैंस से बहुत प्यार करता हूं और मेरे फैंस हमेशा आर्मी की तरह मेरे लिए खड़े रहते हैं। अगर पुष्पा 2 हिट हुई, तो उसकी सक्सेस का क्रेडिट भी इन्हीं को जाने वाला है। ऐसे में श्रीनिवास गौड़ नाम के शख्स को अल्लू अर्जुन का आर्मी शब्द इस्तेमाल करना रास नहीं आया। उन्होंने हैदराबाद पुलिस में जाकर एक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। उस शख्स का कहना है कि फैंस के लिए आर्मी शब्द का इस्तेमाल करना गलत है। सेना एक सम्मानजनक पद होता है और सेना के लोग देश की रक्षा करते हैं। ऐसे में आप फैंस को आर्मी नहीं कह सकते हैं।

जीएसटी से भरा सरकारी खजाना: नवम्बर में 1.82 लाख करोड़ रुपये का GST कलेक्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जीएसटी का नवम्बर महीना में रिकॉर्ड कलेक्शन हुआ है। एक दिसंबर को सरकार ने जीएसटी कलेक्शन का डेटा जारी किया है। जीएसटी कलेक्शन डेटा के अनुसार, नवम्बर महीना में जीएसटी कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़ा है। रिकॉर्ड कलेक्शन की वजह से सरकारी खजाने में 1.82 लाख करोड़ रुपये आए हैं। नेट जीएसटी रेवेन्यू में 11.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, अक्टूबर में भी सरकारी खजाना में जमकर बढ़ोतरी हुई थी। एक महीना पहले कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये हुआ था। लेकिन सितंबर में जीएसटी कलेक्शन

1.62 लाख करोड़ रुपये था।

इस साल के नवम्बर महीना में जीएसटी कलेक्शन में साढ़े आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नवम्बर में डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन बढ़ा है जिसकी वजह से सरकार को अधिक रेवेन्यू मिला है। अधिक रेवेन्यू मिलने से जीएसटी कलेक्शन में काफी वृद्धि हुई है।

रविवार को सरकार ने आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के मुताबिक, सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34141 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43047 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 91828 करोड़ रुपेय है। आंकड़ों के अनुसार, सेस 12253 करोड़ रुपये रहा है। यही नहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू में भी करीब 11.1 प्रतिशत का ग्रोथ है। यह ग्रोथ सभी प्रकार के रिफंड्स को एडजस्ट करने के बाद 1.63 लाख करोड़ रुपये है। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 22 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स के जरिए जुटाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, 7 महीने में सरकार आधे से ज्यादा वसूल कर चुकी है।

अंतर विभागीय टी-२० प्रतियोगिता

डॉ आशीष गुप्ता की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद चिकित्सा विभाग सेमीफाइनल से बाहर, विद्युत टी.आर.डी सेमीफाइनल में पहुंचा

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव रामनगर, वाराणसी

मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन एवं मंडल क्रीड़ा अधिकारी बलेन्द्र पाल के नेतृत्व में मंडल के मिनी स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय T-20 प्रतियोगिता में रविवार को दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच चिकित्सा और विद्युत टीआरडी के बीच खेला गया ।

टॉस जीतकर चिकित्सा विभाग ने विद्युत टी.आर.डी. विभाग को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया। पहले बैटिंग करते हुए विद्युत टी.आर.डी विभाग के टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाएं । विद्युत टी.आर.डी.विभाग की तरफ से अमन वर्मा ने 38 बॉल पर 7 चौकों और चार छक्कों की मदद से 55 रन, आनंद ने 34 बॉल पर चार चौके और दो छक्के की मदद से 40 रन, भानु प्रताप ने 17 बॉल पर पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 44 रन,राजकुमार ने 22 बॉल पर पांच चौकेऔर एक छक्के की मदद से 32 रन तथा सुरेंद्र ने 7 बॉल पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 19 रन बनाएं ।

चिकित्सा विभाग की तरफ से राम भुवन ने चार ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट लिए पवन और विक्रांत को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ । 212 रनों की

लक्ष्य का पीछा करते हुए चिकित्सा विभाग की पूरी टीम 20 ओवर में विकेट पर 154 रन ही बना पायी और विद्युत विद्युत टी.आर.डी विभाग ने 57 रन से मैच जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।चिकित्सा विभाग की तरफ से डॉक्टर आशीष गुप्ता ने 57 बॉल पर 6 चौके और दो छक्के की मदद से शानदार 64 रन बनाए संजय कुमार भारती ने 13 बॉल पर दो चौके की मदद से 12 बनाएं ।विद्युत टी.आर.डी विभाग की तरफ से मिथुन कुमार ने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए अनिल मिश्रा और वरुण कुमार राय को दो-दो विकेट प्राप्त हुए ।आज के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सी.एम.एस रूप ज्योति चौधुरी के द्वारा चिकित्सा विभाग के डॉक्टर आशीष गुप्ता को उनकी शानदार 64 रन की इनिंग खेलने के लिए दिया गया ।कल विद्युत ऑपरेशन और आर.पी.एफ के बीच मैच खेला जाएगा मैच जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के में प्रवेश करेगी । कल विधुत आपरेशन और आर. पी.एफ के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाएगा।

बरसी महोत्सव पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, मादलिया रामस्नेही बड़ा रामद्वारा

मादलिया ग्राम स्थित रामस्नेही बड़ा रामद्वारा में महंत कनीराम महाराज की 24वीं बरसी महोत्सव को लेकर सप्त दिवसीय धार्मिक समारोह के तहत सत्संग व नानी बाई रो मायरों की कथा चल रही है जिसमें रविवार अमावस्या के चलते श्रद्धालु की भारी भीड़ रही।

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा/सोहनलाल वैष्णव। मादलिया ग्राम स्थित रामस्नेही बड़ा रामद्वारा में महंत कनीराम महाराज की 24वीं बरसी महोत्सव को लेकर सप्त दिवसीय धार्मिक समारोह के तहत सत्संग व नानी बाई रो मायरों की कथा चल रही है जिसमें रविवार अमावस्या के चलते श्रद्धालु की भारी भीड़ रही।

रामस्नेही बड़ा रामद्वारा के महंत रामस्वरूप महाराज व युवा संत कल्याण रामस्नेही ने बताया कि आयोजित धर्म सभा व सत्संग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुचेरा के युवा संत सुखदेव महाराज ने कहा कि जैसा करोगे वैसा पाओगे संत ने कहा कि इस संसार में स्वर्ग व नरक दोनों यही है जो व्यक्ति अच्छा करेगा उसको अच्छा मिलेगा जो व्यक्ति बुरा करेगा उसको इसी जन्म में बुराई व दुःख मिलेगा जैसी करनी वैसी भरनी बताया युवा संत ने उपस्थित श्रद्धालुओं से सद कार्यों में तन मन व धन से सहयोग करने का आह्वान किया। वही शाम 7:30 से 9:30 बजे आयोजित नानी बाई के मायरा की कथा को संबोधित करते हुए कल्याण रामस्नेही ने कहा कि जो भगवान के भरोसे चलते है रास्ता थोड़ा कठिन है दुःख भी मिलता है लेकिन एक दिन सुख अवश्य मिलता है। भगवान के प्रति जो अटूट श्रद्धा विश्वास रखते हैं उनको भगवान जरूर हर संभव मदद करता है। सप्त दिवसीय धार्मिक आयोजन 3 दिसंबर को रात्रि भजन संध्या व धर्म सभा तथा 4 दिसंबर को विशेष पूजा अर्चना व धर्म सभा के बाद प्रसादी के आयोजन के साथ ही समापन होगा। इस दौरान रामस्नेही संप्रदाय के अनेक महंत संत व जनप्रतिनिधि तथा श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे।

भाजपा कार्यालय पर संगठन पर्व की द्वितीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/ राजेश गुप्ता। रविवार को कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया एवम दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार कालू लाल गुर्जर उपस्थित रहे। संभाग शह प्रभारी संजीव भारद्वाज, प्रदेश कार्यालय सह प्रभारी अनुराग जांगिड़ ,जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक जय राम जाटव, प्रदेश प्रवक्ता पूजा कपिल,पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, बना राम मीणा, पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, संगठन पर्व के जिलाधिकारी के जी खंडेलवाल ,दिगंबर सैनी सदस्य अभियान के जिला संयोजक हरिशंकर खंडेलवाल, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी ने किया संगठन पर्व की कार्यशाला में कालु लाल गुर्जर जी ने बताया कि 2 दिसंबर से 5 दिसंबर तक बूथ अध्यक्ष एवं बूथ की 11 सदस्य कमेटी का निर्वाचन करना है बूथ अध्यक्ष पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए, निर्विवाद होना चाहिए, पार्टी के प्रति निष्ठावान होना चाहिए । 11 सदस्यों में तीन महिला ,एक व्हाट्सएप ग्रुप प्रमुख ,एक लाभार्थी प्रमुख, एक मन की बात का प्रमुख, एक मंत्री होगा। यह निर्वाचन सर्वसम्मति से बूथ पर बैठक लेकर करना है तत्पश्चात बूथ अध्यक्ष का स्वागत करना है एवं उसके घर पर जाकर झंडा लगाना है, 5 तारीख के बाद मंडल अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। कार्यशाला में जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी,गोवर्धन सिंह सिसोदिया,शिवलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष विष्णु शर्मा,हरिओम कटरा, जिला मंत्री ऋषिराज शर्मा, रीता सेठी,फूलवती सोमवंशी, अनूप बाल्मीकि, जिला प्रवक्ता हुकुम. फागना,नरेश धानावत मोर्चा जिला अध्यक्ष महेश मीणा, इब्राहिम खान,सीताराम किराड सुनीता सैनी सहित सभी मंडल अध्यक्ष मंडल संगठन पर सहयोगी वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

प्रयागराज कुंभ मेला–2025 के लिए स्पेशल ट्रेन 19 जनवरी को

बाड़मेर से बरौनी स्टेशनों के बीच एक ट्रिप के लिए होगी संचालित...

प्रयागराज कुंभ मेला–2025 में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा हेतु रेलवे द्वारा बाड़मेर से जोधपुर के रास्ते बरौनी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। प्रयागराज कुंभ मेला-2025 में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा हेतु रेलवे द्वारा बाड़मेर से जोधपुर के रास्ते बरौनी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा प्रयागराज कुंभ मेला-2025 में आवागमन की सुविधा हेतु स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन 04811,बाड़मेर-बरौनी स्पेशल(1 ट्रिप) 19 जनवरी को बाड़मेर से सायं 5.30 बजे प्रस्थान कर जोधपुर स्टेशन पर रात्रि 9.20 बजे आगमन व 9.30 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सुबह 9 बजे बरौनी पहुंच जाएगी। वापसी में ट्रेन 04812,बरौनी-बाड़मेर स्पेशल(1 ट्रिप) बरौनी से 21 जनवरी को रात्रि 11 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन जोधपुर स्टेशन पर सुबह 8.45 बजे आगमन व 8.55 बजे प्रस्थान कर दोपहर 1 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी।

ट्रेन इन स्टेशनों पर करेगी ठहराव

सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन आवागमन में बालोतरा,समदड़ी,जोधपुर,मेड़ता रोड,डेगाना,मकराना,कुचामनसिटी, फुलेरा, जयपुर, बांदीकुई,भरतपुर, आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिजार्पुर,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर,पतली पुत्र व हाजीपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ट्रेन में यात्री सुविधा हेतु 4 स्लीपर,12 जनरल व दो गार्ड एसएलआर सहित कुल 18 डिब्बे होंगे।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल का शोभायात्रा और सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों से हुआ भव्य आगाज

देशी-विदेशी पर्यटकों का उमड़ा सैलाब, राजस्थानी संस्कृति का दिखा अद्भुत नजारा

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद। विद्याधर वैष्णव। कुंभलगढ़ फेस्टिवल 2024 का शुभारंभ रविवार को पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ हुआ। शौर्य, त्याग, बलिदान के प्रतीक, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और मेवाड़ के आन बान शान के प्रतीक ऐतिहासिक धरोहर कुंभलगढ़ किले में आयोजित इस फेस्टिवल के पहले दिन पर्यटकों ने पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया। पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि फेस्टिवल का आगाज सुबह 11 बजे हल्लापोल से कुंभलगढ़ किले तक भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक पेश की। शुभारंभ के दौरान प्रधान कमला दसाणा, उपखंड

अधिकारी गोविंद सिंह, पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना, सहायक निदेशक विवेक जोशी, पर्यटक अधिकारी जितेंद्र माली, सहायक पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष भरतपाल सिंह, बड़ी संख्या में पर्यटक, स्थानीय नागरिक आदि मौजूद थे।इसके पश्चात लाखेला तालाब पर लगे फूड कोर्ट में पर्यटकों ने राजस्थानी व्यंजनों का लुत्फ उठाया। दिन भर फूड कोर्ट पर देशी विदेशी पर्यटक स्थानीय खाद्य उत्पादों का आनंद लेते दिखाई दिए।शाम 7 बजे से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रत्ना दत्त ने कथक, ओडिसी, और भरतनाट्यम की अद्भुत प्रस्तुतियां दीं, जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया।कुंभलगढ़ फेस्टिवल के पहले दिन लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने जब राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी, तो पूरा माहौल संस्कृति और आनंद से सराबोर हो गया। कलाकारों की हर प्रस्तुति में मेवाड़ की मिट्टी की सुगंध और परंपराओं की झलक दिखाई दी। पर्यटक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके और लोक कलाकारों के साथ झूम उठे।सांझ ढलते ही मंच पर जब कथक, ओडिसी और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत हुए, तो दर्शकों की तालियों ने आसमान गूंजा दिया। लोक गायकों की सुरमयी आवाज ने ऐसा जादू किया कि देशी-विदेशी पर्यटक भी झूमने पर मजबूर हो गए। इस सांस्कृतिक उत्सव ने न केवल मेवाड़ की कला को सराहा, बल्कि इसे विश्व पटल पर एक नई पहचान भी दी।फेस्टिवल के दूसरे दिन, 2 दिसंबर सोमवार को शाम 7 बजे कैलाश चंद्र मोठिया और ग्रुप वायलिन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद सवाई भाट एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन पेश किया जाएगा। तीसरे और अंतिम दिन, 3 दिसंबर को बरखा जोशी एवं ग्रुप कथक और लोक गायन की प्रस्तुति देंगे। साथ ही मोहित गंगवानी और ग्रुप तबला वादन करेंगे। शेष दोनों ही दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पगड़ी बांधो प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, लोक नृत्य, और लोक गायन जैसी गतिविधियां होंगी, जो पर्यटकों को राजस्थानी संस्कृति के करीब लाएंगी। तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल का समापन 3 दिसंबर की रात को होगा। कुंभलगढ़ फेस्टिवल पर्यटकों को मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ ने की बैठक

6 दिसंबर को जयपुर में होने वाले आंदोलन के संबंध की रूप रेखा तैयार

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ। विद्याधर वैष्णव। पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ ने बैठक की संघ के अध्यक्ष गोविंद सिंह रावत ने बताया कि जयपुर में 6 दिसंबर को सभी पंचायत शिक्षकों विद्यालय सहायकों का आंदोलन होने वाला है जिसके माध्यम से सरकार को नियमितीकरण का अपना वादा याद दिलाना है व किसी भी तरह से नियमितीकरण की प्रक्रिया में शामिल होना है।

इसके तहत देवगढ ब्लॉक से भी ज्यादा से ज्यादा पंचायत सहायक ने जयपुर आंदोलन में भाग लेकर अपनी मांग को सरकार तक पहुचाने के लिए अपनी सहमति दी।इस दौरान

संघ के धीरेंद्र जोशी,खालिद मोहम्मद, यशवंत सिंह,सुरेंद्र सिंह, गोविंद सिंह,सतीश कुमार,यूनुस मोहम्मद भेरूलाल पिंकू तेज सिंह नरेंद्र पुरी सहित कई पंचायत सहायक विद्यालय सहायक उपस्थित थे।

खींवसर विधायक डांगा से मिलकर जीत की बधाई दी

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा/सोहनलाल वैष्णव। कस्बे से आधा दर्जन जनप्रतिनिधि व भाजपा कार्यकर्ता नवनिर्वाचित खींवसर विधायक रेवतराम डांगा से मिलकर जीत की बधाई देते हुए बोरुंदा आने का निमंत्रण दिया। सरपंच प्रतिनिधि यशराज दाधीच ने बताया कि 3 दिसंबर से 5 दिसंबर को आयोजित संत कृपाराम महाराज द्वारा नानी बाई रो मायरो की कथा को लेकर खींवसर विधायक रेवतराम डांगा के पैतृक निवास पालड़ी खींवसर जाकर उनसे मिलकर जीत की बधाई देते हुए बोरुंदा आने का निमंत्रण दिया। इस दौरान यशराज दाधीच, दुगार्राम सुथार, भाजपा पीपाड़ देहात मंडल महामंत्री रामदेव भंवरिया, मंगराज दाधीच व अशोक डांगा सहित कई ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

आवश्यकता

भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।

Bharattimesnews01@gmail.com

Whatsapp

9509745147
9799911545

मारवाड़ जंक्शन में अग्निशमन वाहन की मांग को लेकर पोस्टकार्ड अभियान शुरू

♦भारत टाइम्स♦

मारवाड़ जंक्शन (अजयसिंह तोमर)। पाली। जिले के सबसे बड़े उपखंड मारवाड़ जंक्शन मुख्यालय में आग बुझाने की अग्निशमन दमकल वाहन उपलब्ध की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। बीते एक महीने से ज्ञापनों का दौर जारी आज नगर वासियों ने हर घर से पोस्ट कार्ड लिखवा कर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राजस्थान सरकार का नाम प्रेषित किये। ग्रामीणों का कहना है कि जिले का सबसे बड़ा उपखंड होने के बावजूद भी वर्षों से दमकल वाहन की मांग की जा रही सरकारी बदली परंतु उनकी मांग पूरी नहीं हो हुई है। इस क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं ज्यादा होती है और आग बुझाने के वाहन पाली और सोजत, जाडन से आते हैं जब तक यह वहां आगजनी के स्थलों तक पहुंचते हैं तब तक सब कुछ जलकर राख हो जाता है। आज नगर वासियों ने राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम पोस्टकार्ड प्रेषित कर शीघ्र ही उपखंड मुख्यालय पर दमकल वाहन उपलब्ध कराने की मांग की गई।साथ ही पार्षदों ने उनकी मांग पूरी नहीं होने पर आगामी 6 दिसंबर को अनिश्चितकाल के लिए धरने पर बैठने का चेतावनी भी जारी की है।

इनका कहना - मारवाड़ जंक्शन नगरपालिका क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं आए दिन होती रहती है। नगरपालिका एवं उपखंड मुख्यालय एवं क्षेत्र के अनुसार अग्निशमन वाहन की जरूरत है। संतोष गुर्जर, पार्षद मारवाड़ जंक्शन उपखंड क्षेत्र है। नगरपालिका भी बन चुकी है लेकिन अग्निशमन की आवश्यकता है। घटना के दोरान सोजत,जाड़न से अग्निशमन आती है। लम्बे समय से मांग की जा रही है सरकार से। यदि वाहन उपलब्ध नहीं करवाया तै धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ेगा।-कल्पेश जैन, पार्षद।

जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस मंगलवार को आबूरोड तक चलेगी-रणकपुर एक्सप्रेस रहेगी रेगुलेट

जोधपुर। मदार-पालनपुर रेल खंड पर अनुरक्षण कार्य के कारण जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार को आंशिक रद्द रहेगी। जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह के अनुसार उपरोक्त रेल मार्ग स्थित चित्रासनी-करजोड़ा स्टेशनों के बीच अनुरक्षण कार्य के कारण ट्रेन 14821,जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस तीन दिसंबर को जोधपुर से आबूरोड स्टेशनों के मध्य संचालित होगी। ट्रेन आबूरोड से साबरमती के बीच आंशिक रद्द रहेगी। इसी प्रकार ट्रेन 14822,साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस 4 दिसंबर को साबरमती के स्थान पर आबूरोड से जोधपुर स्टेशनों के मध्य संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त कार्य के कारण ट्रेन 14707,लालगढ़-दादर रणकपुर एक्सप्रेस 3 दिसंबर को जोधपुर-आबूरोड स्टेशनों के बीच पौने दो घंटे रेगुलेट रहेगी।

सरपंच श्याम लाल शर्मा की पहल लाई रंग

बिजयपुर पहली ग्राम पंचायत, जिसमें सभी कन्याओं के खुले सुकन्या समृद्धि योजना में खाते

छह माह में ग्राम पंचायत के घर-घर किया सर्वे

♦भारत टाइम्स♦

चित्तौड़गढ़/बिजयपुर(स्पेशल स्टोरीः अमित कुमार चेचानी)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की थी। इस योजना में देश के हर शहर और गांवों में खाते खोलने शुरू किए गए थे। इस योजना में चित्तौड़गढ़ जिले की बिजयपुर ग्राम पंचायत अन्य स्थानों के मुकाबले थोड़ा अग्रणी दिखाई दे रही है। ग्राम पंचायत के सरपंच श्याम लाल शर्मा की पहल पर ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाली प्रत्येक पात्र कन्या का सुकन्या समृद्धि योजना में खाते खुलवा दिए है।

बिजयपुर सहित ग्राम पंचायत के आधा दर्जन गांवों में घर-घर सर्वे करवाए और खाते खुलवाने की पहल की है। ऐसे उदाहरण है ही नहीं कि गांवों में सुकन्या योजना में सरपंच ने अपने निजी खर्च पर खाते खुलवाए हो। जानकारी के अनुसार देश के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सुकन्या समृद्धि योजना की शुरूआत की थी। यह एक सरकार समर्थित बचत योजना है। इस योजना के जरिए कोई भी अभिभावक अपनी बेटी के भविष्य के लिए निवेश कर सकते हैं। करीब 9 साल से जारी इस योजना में कई परिवारों ने निवेश किया है। लेकिन सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में यह योजना पूरी तरह से नहीं पहुंची। सभी कन्याओं के इस बचत योजना में खाते नहीं खुले हैं।

छोटी बचत भविष्य में आएगी काम - शर्मा

सरपंच श्यामलाल शर्मा ने बताया कि हर कन्या समृद्ध हो तथा छोटी बचत भविष्य में काम आएगी। इसी उद्देश्य को लेकर यह कार्य किया गया है। भविष्य में बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ेगी तो यह बचत काम आएगी। बजट कम, मेहनत ज्यादा थी- इधर, जानकारी में सामने आया कि इस योजना को ग्राम पंचायत क्षेत्र में लागू करने के लिए मेहनत ज्यादा करनी पड़ी है। वैसे तो खाते खुलवाने में जो भी व्यय हुवे वो सरपंच ने अपने निजी खर्च से दिए हैं। यह राशि बहुत अधिक नहीं है लेकिन मेहनत ज्यादा थी। गांवों में मजदूरी करने वाले परिवारों को ढूंढ कर उन्हें बचत खाता खुलवाने के लिए प्रेरित करना था। कुछ बालिकाएं जरूर शेष रही है, जो कि इसके लिए तैयार नहीं है और काफी बार जाने के बाद भी दस्तावेज तैयार नहीं कर रहे।

वहीं चित्तौड़गढ़ जिले की बिजयपुर ग्राम पंचायत जो कि मध्यप्रदेश की बॉर्डर पर स्थित है और पहाड़ी क्षेत्र में होकर पूरी तरह से ग्रामीण परिवेश का क्षेत्र है, जहां यह अच्छी पहल की गई है। प्रधानमंत्री के सपनों को ऊंचाई देने के लिए सरपंच श्यामलाल शर्मा ने कुछ हट कर करने की सोची। इसमें ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाली सभी कन्याओं को बचत योजना से जोड़ने का निर्णय किया। इसके लिए बिजयपुर में डाक विभाग के पोस्टमार्टर से संपर्क किया। कुल खातों की संख्या के बारे में जानकारी ली गई। बाद में ग्राम पंचायत क्षेत्र के गांवों में घर-घर जाकर सर्वे कर खाते खुलवाने का कार्य किया गया। लोग इस योजना में खाते नहीं खुलवा रहे थे। इसके लिए सरपंच, डाक विभाग व आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने ग्रामीणों को प्रोत्साहित कर खाते खुलवाए हैं।

110 खाते नए खुले, अब 350 हुई संख्या- इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए सरपंच ने बिजयपुर पोस्टमैन साहिल चौधरी से बात की। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण लोगों को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। ऐसे में लोगों को जागरूक करना पड़ा। करीब छह माह में करीब 110 खाते खुलवाए गए। इससे अब बिजयपुर पोस्ट ऑफिस में सुकन्या समृद्धि योजना के खातों की संख्या करीब 350 तक पहुंच गई है। सरपंच का दावा है कि सुकन्या समृद्धि खाते नहीं खुले ऐसी एक भी बालिका ग्राम पंचायत क्षेत्र में नहीं है।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने किया सर्वे- इस अभियान के लिए आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया। जिनके खाते नहीं थे उनकी जानकारी ग्राम पंचायत तक पहुंचाई और परिवार के लोगों को भी इसके लिए जागरूक किया। इसमें करीब तीन से छह माह का समय लगा। इसमें एक से दस वर्ष की आयु तक की बालिकाओं के खाते खुलवाए गए।

बगड़ी नगर में दो दिवसीय आध्यात्मिक समारोह 25 व 26 दिसंबर को

♦भारत टाइम्स♦

बगड़ी नगर (महेंद्र सिंह)। एस एस जैन संघ बगड़ी नगर के तत्वावधान व श्रमण संघीय महाश्रमणी साध्वीश्री पुष्पवती महासती जी सा एवं उपप्रवर्तनी साध्वीश्री राजमतीजी महाराज सा आदि ठाणा 7 के पावन सानिध्य में 25 व 26 दिसंबर को बगड़ी नगर में दो दिवसीय आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया जाएगा। एस एस जैन संघ, ट्रस्ट के मंत्री सुरेशकुमार मूथा ने बताया कि दो दिवसीय समारोह के तहत 25 दिसंबर को जैन धर्म के 23 वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव और गुरु मां पुष्प शताब्दी गौरव वर्ष अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया है जबकि 26 दिसंबर को बगड़ी नगर के प्रवासी जैन बंधुओ का स्नेह मिलन समारोह होगा। उक्त कार्यक्रम स्थानीय तेरापंथ भवन में आयोजित किया जाएगा जिसमें साध्वीश्री राजरश्मिजी, साध्वीश्री राजरिद्धिजी, साध्वीश्री राजलक्षीजी व साध्वीश्री राजवृद्धिजी महाराज सा शिरकत करेंगे। इनके अलावा बड़ी संख्या में बगड़ी नगर के प्रवासी जैन बंधुओ के साथ ही आस पास के गांवो से सकल जैन समाज के श्रावक श्राविकाओ सहित कस्बे के गणमान्य लोग भाग लेंगे।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल को दी जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं : डॉ, महेश सोनी

♦भारत टाइम्स♦

सोजत सिटी। भारतीय जनता पार्टी लूणी विधायक व राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी जाने माने भामाशाह व समाजसेवी व सोजत मेहंदी नगरी के युवा रत्न व सोजत भाजपा मण्डल मंत्री व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पाली जिला सह संयोजक व राजस्थान इंडियन स्टार डॉ, महेश सोनी ने भारतीय जनता पार्टी लूणी विधायक व राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

अजमेर मंडल की मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री से यात्रियों को मिल रहे स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता के बेडरोल, यात्रियों ने भी फीडबैक में सराहा

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर। भारतीय रेलवे अपने यात्रियों को स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता के बेडरोल देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा स्पष्ट नीति निर्धारित की गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल पर संचालित होने वाली सभी ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी के कोचों में स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाले बेडरॉल प्रदान किया जा रहे हैं। अपर मंडल रेल प्रबंधक बलदेव राम एवम वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता प्रदीप कुमार ने बताया कि सभी चद्दरों की धुलाई का कार्य मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में किया जाता है और इसके बाद ऑटोमेटिक मशीन से इस्त्री की जाती है ताकि यात्रियों को स्वच्छ बेडरोल देकर उनकी यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाया जा सके।

अजमेर रेल मंडल में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री स्थापित की गई है और इसकी क्षमता में लगातार वृद्धि की जा रही है। अजमेर मंडल द्वारा प्रतिदिन 15 टन यानी 15000 बेडरोल की धुलाई की जाती है।

मंडल पर गंदे बेडरोल की शिकायतों में निरंतर कमी आ रही है। वर्ष 2024- 25 में पिछले वर्ष की तुलना में शिकायतों में 65% की कमी आई है। इसके साथ ही मंडल स्तर पर बेडरोल सहित अन्य शिकायतों की निगरानी के लिए वॉर रूम स्थापित किए गए हैं जो यात्रियों की शिकायतों एवं फीडबैक पर निरंतर 24 7 निगरानी करते हैं। बेडरोल के संबंध में अजमेर स्टेशन पर रेल यात्रियों से लिए गए फीडबैक में भी उन्होंने स्वच्छ और अच्छी गुणवत्ता के बेडरोल दिए जाने पर खुशी व्यक्त की।

वाल्मीकि समाज की बैठक आयोजित

♦भारत टाइम्स♦

बगड़ी नगर (महेंद्र सिंह)। सिसरवादा स्थित भेरुजी मंदिर पर सोजत चौताला 55 खेड़ा की रविवार को आम बैठक आयोजित की गई जिसमें वाल्मीकि समाज सोजत चौताला के वर्तमान अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने इस्तीफा देकर कार्यवाहक सोजत चौताला उपाध्यक्ष पारस लाल रल सिरियारी एवं कालूराम कंडारा चण्डावल के निर्देशन में चुनाव कराए गए । इस दौरान 55 खेड़ा के व सोजत चौताला के सभी सदस्यों ने सर्व सहमति अध्यक्ष पद के लिए मत व समर्थन करते जोराराम रल सेहवाज को अध्यक्ष बनाया गया वहीं उपाध्यक्ष पद पर पारस लाल रल सिरियारी कोषाध्यक्ष कालूराम कंडारा चण्डावल, उपकोषाध्यक्ष प्रहलाद कंडारा दुदौड व राजेंद्र जावा कंटालिया को चुना गया । सचिव धर्मेंद्र रल सेहवाज, सहसचिव दिलीप अटवाल सोजत रोड को बनाया गया एवं सदस्य भीला राम चनाल बड़ागुड़ा, राम सिंह, शिवलाल आदिवाल बगड़ी नगर, फता राम धुंधला, रूपाराम कंडारा दुदौड, सरवन कंडारा बाली, पप्पू राम रल, ताराचंद तेजी सोजत रोड, सरवन कंडारा मुसलिया, ऊकार राम रल सेहवाज, सुरेश कंडारा चण्डावल, चेनाराम सिलना, दासूराम चनाल, बुधाराम रल अटपडा को सर्व समिति से प्रस्तावित पद दिये गये। इन सभी का कार्यकाल आगामी पांच वर्षों तक रहेगा । इस अवसर पर मुन्नाराम कंडारा चण्डावल, प्रकाश अटवाल मांडा, कालूराम रल बोरीमादा, देवाराम चनाल बड़ा गुड़ा,हुक्म राम रल सेहवाज, छोटू लाल चनाल बासनी, राकेश बागरिया सोजत रोड, रवि परिहार सिसरवादा, भैराराम कंडारा हरियामाली, प्रकाश कंडारा मुसालिया, अर्जुन रल सेहवाज सहित वाल्मीकि समाज सोजत चौताला के 55 खेड़ा गणमान्य पंच पटेल एवं नवयुवक मंडल उपस्थित रहे।

भालू के हमले में महिला की मौत ..खेत में काम कर रही थी महिला

मारवाड़ जंक्शन(अजयसिंह तोमर)। उपखंड क्षेत्र के मगरा क्षेत्र में जंगली भालुओं का आतंक से ग्रामींण भयभीत है। मारवाड़ जंक्शन उपखंड क्षेत्र के पुरानी फुलाद में खेत में काम कर रही एक महिला पर भालु ने हमला कर दिया। भालु के इस समले में महिला गंभीर रूप से घामय हो गई। घायल महिला को परिजन जिला पाली बांगड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मिला की मौत हो गई। पुरानी फुलाद निवासी संतोष का शव पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सुपुर्द किया।

गोविन्दगढ़ रेलवे स्टेशन पर आरक्षण विंडो हुई शुरूआत, विधायक सुखवंत सिंह ने रेलवे स्टेशन पर जाकर देखी व्यवस्थाएं

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/ राजेश गुप्ता। अलवर जिले के गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन पर आरक्षण विंडो रेलवे प्रशासन की ओर से शुरू हुई है। गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन खिड़की की शुरूआत होने से गोविंदगढ़ क्षेत्र वासियों को रिजर्वेशन की समस्या से निजात मिलेगी। रिजर्वेशन विंडो के खुलने से कस्बे में खुशी की लहर दौड़ गई। रविवार को रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन पर जाकर वहां पर मौजूद अधिकारियों से मुलाकात की और रेलवे स्टेशन पर आने वाली समस्याओं का निस्तारण किस तरह से किया जा सके इस बारे में चर्चा की। स्टेशन मास्टर हंसराज मीणा ने विधायक को रिजर्वेशन खिड़की के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अब यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर आकर रिजर्वेशन करवाने की सुविधा

उपलब्ध रहेगी रिजर्वेशन खिड़की का खुलने का समय सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक का रहेगा। पहले दिन दो यात्रियों ने अपना रिजर्वेशन करवाया वहीं आज दूसरे दिन रेलवे प्रशासन को लगभग 10 हजार रुपये के रिजर्वेशन हुए। इस दौरान विधायक सुखवंत सिंह ने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए की यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना स्टेशन पर नहीं करना पड़े और जिस भी सहायता की जरूरत रेलवे प्रशासन को विधायक से हो उन्हें संकोच बताएं उसे समस्या का निस्तारण किया जाएगा। पूर्व में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के गोविन्द गढ़ आगमन पर गोविन्द गढ़ मित्र मण्डल की ओर से रेलवे रिजर्वेशन विंडो खुलवाने का ज्ञापन दिया गया जिस पर केंद्रीय मंत्री ने आश्वाशन दिया ओर भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही विंडो खुल जाएगी। इस विंडो के खुलने पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह का आभार व्यक्त किया गया।

मारवाड़ जंक्शन निकट चलती ट्रेन में सूर्य नगरी एक्सप्रेस से गिरी महिला... जिला चिकित्सालय पाली रेफर

♦भारत टाइम्स♦

मारवाड़ जंक्शन (अजयसिंह तोमर)। पाली। के मारवाड़ जंक्शन पर रविवार सुबह सूर्य नगरी एक्सप्रेस ट्रेन से गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में महिला का सिर फट गया। जिसे जीआरपी मारवाड़ जंक्शन ने पाली के बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जोधपुर रेफर किया गया। महिला की हालात गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर जिले के ओसियां तहसील के पूनासर गांव निवासी 27 साल की हीरा कंवर अपने पति पप्पा राम के साथ सूर्यनगरी ट्रेन से जोधपुर आ रही थी। रविवार सुबह करीब 3 बजे बाथरूम जाने के लिए उठी। इस दौरान उल्टी होने की शिकायत होने पर कोच का गेट खोला। इस दौरान चक्कर आ जाने से वह चलती ट्रेन से नीचे गिरकर गई। घटना की जानकारी मिलने पर महिला के पति ने ट्रेन को चैन पुलिंग कर रुकवाया। जीआरपी के जवानों की मदद से घायल हीरा कंवर को उपचार के लिए मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल ले गए। जहां से पाली रेफर किया गया। हालात गंभीर होने पर पाली से महिला को चिंताजनक हालत में जोधपुर रेफर किया गया। हादसे में महिला के सिर पर गंभीर चोट आई।

एक वक्त के बाद

किस्से कहानी बदल जातें हैं एक वक्त के बाद ।
नन्हें नन्हें पौधे वृक्ष हो जातें हैं एक वक्त के बाद ।

तमाम अरमान गुजरते तो हैं आंखों की गलियों से..
फिर मोती से कौरों पे ठहर जाते हैं, एक वक्त के बाद ।।

सुनो नया नया सा एहसास पाकर, गैर भी करीब आ जाते,
तासीर मुताबिक अपने पराए हो जाते हैं एक वक्त के बाद।।

रहमत खुदा की, अमानत अपने वतन की सहेजे तो सही...
पर जानें कैसे अहम के डंके बजने लगते, एक वक्त के बाद।।

पंक में खिलते पंकजराज,रंग बिरंगे हाथों में जचती हिना लाल,
कि राजा रंक फकीर सबकी, होती एक ही गति, एक वक्त बाद ।।

सुन श्शशिश्र धरती अम्बर नाप ले जितना नाप सके,
कि ये माटी की काया माटी हो जाती एक वक्त के बाद।।

शशि चंदन 'निर्झर'

रामगढ़ उपचुनाव को लेकर समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/ राजेश गुप्ता। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री योगेश मिश्रा ने बताया कि रामगढ़ के रघुवंश रिसोर्ट में आयोजित रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के बाद कार्यकताओं की समीक्षा बैठक में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी जुबेर आर्यन खान की हार पर मंथन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूरे सम्मान के साथ इस चुनाव में लोकतंत्र में आहुति दी । उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता ने कंधे से कंधा मिलाकर कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी जुबेर आर्यन खान को 95 हजार से अधिक वोट दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों ने रामगढ़ में अपनी पूरी ताकत झोंक दी और सरकारी मशीनरी का जमकर दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का जहां वोट बैंक था वहां पुलिस और प्रशासन का प्रभाव डालकर बेगुनाहों को गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री योगेश मिश्रा ने कहा कि सभी सेक्टर इंचार्जों, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने मजबूती से काम किया। जिसके फलस्वरूप ही पिछले चुनाव के मुकाबले कांग्रेस पार्टी को वोटों में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष होने के नाते हार की नैतिक जिम्मेदारी मैं स्वीकार करता हूँ,,किसी भी कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का दोष नहीं है, चुनाव में जो भी कमियां रही हैं उनमे सुधार करेंगे। आने वाले पंचायत राज, नगर पालिका, नगर निगम, सरपंच चुनाव में कांग्रेस विजय श्री प्राप्त करेगी। समीक्षा बैठक में विधायक ललित यादव, दीपचंद खेरिया, मांगेलाल मीणा, कांतिलाल मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत,आर्यन जुबेर, संजय यादव,,रोहताश चौधरी अजीत यादव, संजीव बारेठ, विजेंद्र महलावत, गिरीश डाटा , बलराम यादव,जोगेंद्र सिंह कोचर, पुष्पेन्द्र धाबाई, रिपु दमन गुप्ता, प्रकाश गंगावत, साजिद खान, जे डी आर्यन, प्रधान नसरू खान, जाकिर हुसैन, बीपी सुमन, जय सिंह जाटव, नरेंद्र सावित्री मीना, के जी कौशिक, योगेश मेहता ,दीनबंधु शर्मा, लियाकत अली, हरिशंकर रावत, बबली शर्मा , रामहेत जाटव, दुली चंद मीणा, पंकज शर्मा, हिमांशु शर्मा, डॉ गौरव यादव, के के खंडेलवाल, संदीप अग्रवाल, प्रभुदयाल, रमेश जाटव ,जगदीश जाटव, सतीश पटेल, कोमल जाटव,, नितिन धाकड़ सहित कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

महाराष्ट्र में सरकार गठन में देरी से बिगड़ रहा सत्ता का समीकरण

गठबंधन में चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करने पर अक्सर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। फिर, गठबंधन धर्म का निर्वाह और सहयोगी दलों के साथ सौहार्दपूर्ण समीकरण बिठाने में कई बार कठिनाई पेश आती है। महाराष्ट्र में भाजपा के सामने भी वही स्थिति है। वहां उसने एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। सबसे अधिक सीटें भाजपा को मिलीं। स्पष्ट बहुमत से महज तेरह सीटें कम। इस लिहाज से मुख्यमंत्री पद पर उसी का हक बनता है। शुरू में एकनाथ शिंदे ने जरूर कुछ दबाव बनाने का प्रयास किया था, मगर आखिरकार उन्होंने भी भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। इस तरह भाजपा के लिए रास्ता साफ हो गया और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जाने लगा। मगर दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअघाड़ी की सरकार बना ली थी। फिर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस में बड़ी टूट हुई और इन दलों के नेताओं ने भाजपा के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे की अगुआई में सरकार बना ली थी। संभव है, वहां उलट-फेर की आशंका भाजपा को अब भी सता रही होगी, इसलिए वह नई सरकार के गठन में किसी भी तरह सहयोगी दलों को असंतुष्ट नहीं रखना चाहती। फिर, जातियों का समीकरण भी उसे साधना है। वह मराठा दबदबे से अलग पिछड़े और दलित वर्ग में पैठ बनाना चाहती है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह इन वर्गों को संतुष्ट करने का प्रयास किया, उससे यह कयास स्वाभाविक रूप से लगाया जाने लगा है कि महाराष्ट्र में भी भाजपा कोई हैरान करने वाला फैसला कर सकती है। राजनीति में केवल सरकार बना लेना महत्त्वपूर्ण नहीं होता, सरकार के माध्यम से अपने जनाधार का विस्तार करना भी होता है।

विचार

साइबर सुरक्षा में लग रही हैं सेंध

खुशी सिंह

साइबर सुरक्षा के बिना भारत के विकास की कल्पना करना असंभव हैं। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 20 जून, 2022 को नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा (साइबर अपराध से आज़ादी - आज़ादी का अमृत महोत्सव) पर यह विचार साझा किया था। 21वीं सदी जहां तकनीकीकरण के साथ मनुष्य का जीवन आधुनिक व सुगम बना रही है, वहीं इस तकनीकीकरण का दुरुपयोग करके हमारे समाज में कई अपराधो को जन्म दिया जा रहा है। इंटरनेट द्वारा तैयार किए गए इस वर्चुअल वर्ल्ड में न सिर्फ समाज का डिजिटलकरण हो रहा है बल्कि अपराधी भी डिजिटल होते जा रहे है। इन्ही डिजिटल अपराधो में से एक को हम साइबर अथवा ऑनलाइन फ्रॉड के नाम से जानते हैं।

साइबर फ्रॉड एक ऐसी अपराधिक गतिविधि है जिसके अंतर्गत इंटरनेट के ज़रिए कंप्यूटर या किसी भी नेटवर्क डिवाइस की सहायता से ठगी की जाती है। साइबर अपराधी इसके जरिए आपकी गोपनीय जानकारी से लेकर धन-संपत्ति भी उड़ा ले जाते है। साइबर क्राइम को अगर आप सिर्फ चंद पंक्तियों की व्याख्या समझ रहे है तो आपको शायद अपना स्मार्ट फोन उठा कर रिसर्च करके अपने आपको भी स्मार्ट बनाने की आवश्यकता हैं क्योंकि जैसे दशानन रावण के दस सिर थे वैसे ही इस डिजिटल ठगी के भी कई प्रकार है-

फिशिंग: फिशिंग खासकर ईमेल, विज्ञापनों या ऐसी साईट के जरिए की जाती है जो उन साइटों जैसी दिखती है जिन्हे आप पहले से इस्तेमाल कर रहे है। उदाहरण के लिए वे ऐसे ईमेल हो सकते है जिनमे नकली चालान, पासवर्ड नवीनीकरण अनुरोध, मानव संसाधन या नेतृत्व के संदेश या बैंक(कल्पित) द्वारा खाता अथवा डेबिट नंबर की पुष्टि शामिल हो सकते है।

मैलवेयर: मैलवेयर का फुल-फोर्म मलीशियस सॉफ्टवेयर होता हैं। यह एक संक्षिप्त रूप से सॉफ्टवेयर प्रोग्राम का छोटा फ़ाइल या कोड होता है जो आपके कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्ट फोन या कोई भी नेटवर्क डिवाइस में बिना अनुमति की प्रवेश करता है जिसका उद्देश्य कंप्यूटर या कंप्यूटर सिस्टम के परफॉर्मेंस को रोकना और उसमे उपस्थित डेटा को चोरी करना या नुकसान पहुचाना होता हैं। किसी भी अविश्वसनीय साइट से गाने और फिल्मे डाउनलोड करने, किसी विज्ञापन के लिंक अथवा ईमेल के अटैचमेंट पर क्लिक करने से आपके नेटवर्क डिवाइस में मैलवेयर आ सकते है।

रैंसमवेयर: रैंसमवेयर दो शब्दो से मिलकर बना है- रैंसम और वेयर। रैंसम का अर्थ है फिरौती और वेयर का अर्थ है सॉफ्टवेयर। इस तरह रैंसमवेयर का अर्थ हुआ फिरौती मांगने वाला सॉफ्टवेयर।

रैंसमवेयर एक खतरनाक मैलवेयर है जो कंप्यूटर, लैपटॉप या फोन के सिस्टम में घुस कर कब्जा कर लेता है और उस नेटवर्क डिवाइस के मालिक को अपने हो डेटा को एक्सेस करने से रोक देता है जिससे पीड़ित व्यक्ति अपने ही कंप्यूटर या मोबाइल पर नियंत्रण नहीं कर पाता। उस स्थिति में पीड़ित से हैकर द्वारा एक्सेस के बदले फिरौती की

मांग की जाती है।

डीडीओएस हमले: डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस एक प्रकार का साइबर हमला है, जहां लक्षित वेब एप्लिकेशन/वेबसाइटों को धीमा कर दिया जाता है या नकली ट्रैफिक के साथ एप्लिकेशन/नेटवर्क/सर्वर को भारी करके वैध उपयोगकर्ताओं के लिए अनुपलब्ध बना दिया जाता है।

सोशल इंजीनियरिंग: सोशल इंजीनियरिंग एक प्रकार की कला होती है, जिसमे अपराधी लोगों में भरोसा पैदा कर, उन्हें लालच देकर, डरा कर या उनमे जिज्ञासा उत्पन्न कर किसी भी तरह से अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है। वह लक्ष्य सामान्य तौर पर लोगों से ठगी करना, उनका गोपनीय डाटा चुराना, उनका पासवर्ड या बैंक से जुड़ी जानकारी निकलवाना या उन्हें ब्लैक मेल करना इत्यादि होता है, यानि कुल मिलाकर सोशल इंजीनियरिंग में अपराधी का मुख्य लक्ष्य लोगों को सेंध लगाना होता है। इस जाल में आपको फोन कॉल और संदेश या ईमेल द्वारा फंसाया जा सकता है। भारत 560 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार है, जो केवल चीन से पीछे है। और यह अनुमान है कि 2023 तक, देश में 650 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता होंगे। नवीनतम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2018 में भारत में साइबर अपराध के कुल 27,248 मामले दर्ज किए गए। आरबीआई के पर्यवेक्षण विभाग के अनुसार, 2021-22 में, धोखाधड़ी के 13,951 मामले थे, जिसमें 76.49 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी, जिसमें 25.77 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।तमिलनाडु (4,866) में 2021-22 में सबसे अधिक मामले हैं, इसके बाद महाराष्ट्र (2,443) और दिल्ली (1,402) हैं।

प्रतिदिन भारत में आम आदमी इसी ठगी का शिकार बनकर अपनी जेब खाली कर दिवालिया हो जाता है। यूएस फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने हाल ही में दुनिया में साइबर क्राइम के शिकार लोगों से जुड़ी एक रिपोर्ट जारी की है. भारत सूची में चौथे स्थान पर है। अपनी सावधानी अपने हाथ। आपने ये पंक्तियां बहुत बार अपनी मर्रा की जिंदगी में सुना होगा लेकिन आज ये पंक्ति सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है इसे पढ़कर हम इस पर अमल भी करना है। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए आपको निम्न बातों का ध्यान रखना होगा-

*अपने सारे सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड अलग रखे।

*किसी भी वेबसाइट को ओपन करने से पहले उसका यूआरएल जांच ले। वेबसाइट हमेशा https से शुरू होनी चाहिए। इसका मतलब है की जिस वेबसाइट को आप खोलने जा रहे है वह सुरक्षित है।

*मुफ्त वाईफाई का उपयोग करने से बचे ताकि आपका डाटा महफूज रहे।

*अपनी सभी फाइल का बैकअप जरूर रखे ताकि रैंसमवेयर हमले से बच सके।

*किसी भी प्रकार की कॉल या संदेश आने पर भूलकर भी अपनी बैंकिंग डिटेल सांझा न करे चाहे वो व्यक्ति बैंक अधिकारी या कर्मचारी होने का हो दावा क्यों न करे। याद रखे की बैंक कभी भी ऐसी कोई जानकारी की मांग नही करता

* अनजान साइट्स से ऐप, गाने और फिल्म डाउनलोड करने से बचे।

*सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती करने से बचे।

*ईमेल और संदेश में आने वाले लुभावने लिंक को क्लिक करने से बचे।

*ब्राउजिंग करते समय आपकी सर्चिंग फाइले कुकीज के रूप में गूगल या दूसरे सर्च इंजन के बैंक में सेव होती रहती हैं। अपने मोबाइल और लैपटॉप से कुकीज को डिलीट करना न भूले।

*किसी के साथ भी किसी तरह का भी ओटीपी सांझा न करे। इस तरह सजग रहकर आप साइबर ठगी से बच सकते हो।

राजनीतिक

अवसाद के विरुद्ध जोरदार शंखनाद की आवश्यकता

लेखक- विजय कुमार जैन

दवाओं की अपेक्षा मनोचिकत्सा से संभव है। हमे अगर शुगर उच्च रक्त चाप या पथरी की बीमारी हो जाती है तो इन गंभीर बीमारियों का इलाज दवाओं अथवा शल्य क्रिया से संभव है। अवसाद को अंग्रेज़ी में डिप्रेशन नाम से जाना जाता है। अवसाद का प्रकोप पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को अधिक होता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार दस में से पांच महिलाएं अवसाद ग्रस्त हो सकती है जबकि दस पुरुषों में एक ही पीड़ित होता है महिलाओं के अवसाद ग्रस्त होने के पीछे मुख्य रूप से स्त्री जन्य कारण बताये जाते है।वर्तमान में हम देख रहे है पुरुषों एवं महिलाओं की अपेक्षा किशोर व युवा ज्यादा तर अवसाद ग्रस्त हो रहे है। अवसाद किस कारण से होता है यह स्पष्ट रूप से नही बताया जा सकता। मगर माना जाता है इसमें अनेक कारणों की मुख्य भूमिका रहती है।

हमने उन कारणों को भी जानने का प्रयास किया है। नींद नही आती है या ज्यादा आती है अकेलापन वेरोजगारी वित्तीय समस्या वैवाहिक या अन्य रिश्तों में खटास शराब या अन्य नशीली वस्तुओं का सेवन करना कार्य का अधिक बोझ भोजन की अनियमितता अवसाद से पीड़ित व्यक्ति किसी भी काम में अपना ध्यान केन्द्रित नही कर पाता है जो काम वह आसानी से कर लेता था उस काम को करने में उसे अब कठिनाई है। मोबाइल का रात दिन उपयोग करना भी इसका प्रमुख कारण है। आधुनिक संचार साधन हमारे लिये जितने उपयोगी है उससे अधिक इनका दुरुपयोग आज की युवा पीढ़ी कर रही है। अचानक लोगों से गुडवाय करने लोगों को फोन करना भी व्यक्ति के असामान्य लक्षण माने जाते है। पढ़ाई का अधिक बोझ भी इसका कारण है। आप अपने को निराश और उदास महसूस कर रहे है या तो आपको भूख नही लग रही है या आप ज्यादा भोजन कर रहे है आपको ऐसा लगता है आप जीवन से निराश है और आत्महत्या का मन बना रहे है। बहुत ज्यादा अवसाद की वजह से व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचता है। अवसाद के दौरान व्यक्ति खुद को बिल्कुल असहाय महसूस कर सकता है। और उसे सभी समस्याओं का हल जीवन समाप्त करने में दिखने लगता है। और कोई आत्महत्या करने की बात करता है तो आप मान लें वह डिप्रेशन या अवसाद से ग्रसित है। वर्तमान में पुरुषों महिलाओं से ज्यादा किशोर जिनकी आयु 12 से 18 वर्ष के बीच होती है ऐसे किशोर अवसाद ग्रस्त ज्यादा मिल रहे है। किशोरावस्था में अत्यधिक चिड़चिड़ापन अवसाद का सबसे बड़ा लक्षण होता है। इस आयु में इस बीमारी से ग्रसित युवक आसानी से क्रोधित हो सकता है । दूसरों से अशोभनीय व्यवहार कर सकता है। वच्चों पर माता पिता द्वारा पढ़ाई के लिये डाला गया अत्यधिक दवाव और दूसरों से स्वंय का आकलन कम करने से भी किशोरों में डिप्रेशन का प्रमुख कारण हो सकता है। राजस्थान के सुप्रसिद्ध नगर को कोटा देश के प्रमुख शिक्षण नगर के रूप में आज जाना जाता है। यहाँ इतने बड़े कोचिंग संस्थान संचालित हैं जिनमें एक लाख तक छात्र छात्राओं को प्रवेश देकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का विभिन्न विषयों का कोचिंग दिया जाता है। विगत वर्ष लगभग 6 माह में कोटा में कोचिंग कर रहे लगभग 35 से 40 छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या करने से अनायास ही हमारा ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है। लगातार एक ही नगर में छात्र छात्राओं द्वारा पढाई करते हुए जीवन से निराश होकर आत्महत्या करने की घटनाओं से पूरे देश ही स्तब्ध हुआ। जीवन से निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुचे छात्र छात्राएं किशोर अवस्था में थे उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया। विगत दिनों जैनाचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज ने जिनवाणी चैनल पर प्रसारित होने बाले जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में मेरे प्रश्न अवसाद की स्थिति में छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या किये जाने को कैसे रोके। कहा माता पिता का शिक्षा के लिये दबाव सह शिक्षा पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण भौतिक चकाचौध आदि अनेक कारणों के युवक युवती जीवन से निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुंच कर आत्महत्या कर रहे है। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की ओर युवा पीढ़ी को आकर्षित कर अवसाद या आत्महत्या करने से रोका जा सकता है। छात्र छात्राओं द्वारा जीवन से निराश होकर अवसाद ग्रस्त होने की घटनाएँ रोकने उनमें जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मेरे गृह नगर राघौगढ़ में गत दिवस शासकीय स्नातक महाविद्यालय में मन चंगा तो कठौती में गंगा अवसाद के विरुद्ध शंखनाद विषय पर ज्ञान वर्धक व्याख्यान माला का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ जवाहरलाल द्विवेदी प्रो पी के झा प्रो एच सी पाटनी प्रो बृजेश कुमार को इस प्रयास के लिये साधुवाद देता हूँ कि इन्होंने किशोर छात्र छात्राओं को अवसाद से बचने यह सफल आयोजन किया। मुझे भी इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। व्याख्यानमाला में वक्ताओं में कहा नकारात्मक सोच बदलना होगा। जिनका सोच अगर नकारात्मक है तो हम उनसे दूरी बनाये। इस बात को भी समझें कि जीवन में जब तक असफलता नही होगी तब तक सफलता का मूल्य भी नही समझ आयेगा। इसलिये असफलता से हर चीज का अंत नही समझना चाहिये। यदि आप किसी व्यक्ति को जानते है जो कि अवसाद या डिप्रेशन की वजह से कोई गलत कदम या आत्महत्या करने का मन बना रहा है अथवा सोच रहा है तो तत्काल उसके सगे संबंधियों को सूचित करें। परिवार की ओर से मिली थोड़ी सहानुभूति किसी का जीवन बचा सकती है। कार्यक्रम में समाजसेवी माली कृष्ण गोपाल कश्यप ने छात्र छात्राओं को कभी भी जीवन में आत्महत्या नही करने की शपथ दिलायी। अवसाद की स्थिति से हर किसी को बचाने के लिये समाज के हर व्यक्ति को अवश्य ही रचनात्मक प्रयास आवश्यक है।

सुविचार

विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है।

- हितोपदेश

राशिफल

मेष	आज आप काफी सकारात्मक रहेंगे। शरीर व मन में नई ऊर्जा महसूस करेंगे। नौकरी व्यापार को बढ़ाने के लिए आर्थिक योजनाओं पर विचार करेंगे।
वृष	आज आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं द्य कार्यालय में काम का बोझ महसूस करेंगे। धन की स्थिति सामान्य रहेंगी।
मिथुन	आज दिन की शुरुआत अच्छी होंगी लेकिन जैसे जैसे दिन ढलेगा आप व्यक्तिगत रिश्तों को लेकर भावनात्मक हो सकते हैं। आप मानसिक थकान महसूस कर सकते हैं।
कर्क	आज का दिन खुशियां लेकर आएगा। जिन जातकों को नौकरी की तलाश है या कोई जॉब इंटरव्यू देने जा रहे हैं सफलता का योग है।
सिंह	आज का दिन की शुरुआत बेहद खास रहने वाली है। बुद्ध एवं चन्द्रमा आपके लाभ भाव में गोचर कर रहे हैं आकस्मिक धन लाभ हो सकता है।
कन्या	किसी नए काम अथवा बड़े काम की आज शुरुआत न करें बल्कि जो काम चल रहे हैं उन्हें ही पूर्ण करें। यात्रा करते समय सावधानी रखें सामान गुम हो सकता है।
तुला	आज का दिन खूब मेहनत करेंगे। मेहनत का पूर्ण फल आपको जरूर मिलेगा । रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों को सफलता प्राप्त होगी।
वृश्चिक	आज का दिन आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। शरीर में चुस्ती फुर्ती बनी रहेंगी। छोटे भाई बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।
धनु	जीवन एवं व्यक्तिगत जीवन में सामंजस्य बैठा के चले। नौकरी व्यापार के लिए आज का दिन बहुत अच्छा नहीं है आपको दोनों तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।
मकर	आज का दिन आप काफी ऊर्जावान रहेंगे। आज आप शरीर में नई स्फूर्ति का संचार एवं ऊर्जा महसूस कर सकते हैं।
कुंभ	कार्यक्षेत्र में जो भाग दौड़ उठा पटक बनी हुई थी आज उससे आपको राहत मिलेंगे। कोई बड़ा काम पूरा होने की खुशी महसूस होंगी।
मीन	आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। मेहनत रंग लाएगी। हाथ आए हर अवसर को आप लाभ में बदल सकते हैं। धन का आगमन होगा।

अमेरिकी समाज में नस्लवाद की जड़ें

अमेरिका में रंगभेद की क्रूरता और हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। ट्रंप की पार्टी का बड़ा हिस्सा इसी रणनीति पर चल रहा है। अगर धोखे से अमेरिका ईसाई राष्ट्र बनता है, तो यह समूची दुनिया में धर्मनिरपेक्षता के लिए मारक घटना होगी और शायद दुनिया के बहुत सारे देश, जो धर्मनिरपेक्ष हैं, उन्हें एक धर्म का राष्ट्र बनने की ओर धकेलेगी। दुनिया में शक्ति संतुलन का स्वरूप बदल जाएगा। अमेरिका का जन्म ही एक प्रकार से साम्राज्यवाद से हुआ है। ब्रिटिश नस्ल के लोगों ने वहां पहुंच कर न केवल अमेरिकी भू-भाग पर आधिपत्य जमाया, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों, जो अधिकतर आदिवासी और काले रंग के थे, को दास बनाया तथा उन्हें जंगलों तक सिकोड़ दिया। कुछ अंतराल के बाद इस दास प्रथा और सत्ता के विरुद्ध वहां के मूल निवासियों ने भारी विद्रोह किया। इस गृहयुद्ध के फलस्वरूप अंतत: अमेरिकी सरकार ने दास प्रथा की समाप्ति की घोषणा की। अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाए गए, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले। अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया। कई दशक तक अमेरिका एकमात्र विश्व शक्ति बना रहा और लगभग दो दशक के बाद जब साम्यवादी रूस और चीन की सामरिक शक्ति बढ़ी, तो अमेरिका को कुछ चुनौती मिली और शीत युद्ध आरंभ हुआ। शीत युद्ध एक प्रकार से कूटनीति और रणनीति के कौशल का युद्ध था, जिसमें सीधे हथियारों का प्रयोग अमेरिका का सैन्य समूह नेटो और साम्यवादी देशों का सैन्य समूह सेंटो युद्ध नहीं करते थे, बल्कि ये दोनों पीछे से अपने प्यादे और मोहरों को लड़ाते थे, उन्हें शस्त्र, धन आदि की आपूर्ति करते थे। लगभग दो दशक तक यह स्थिति रही और रूस के बिखराव के बाद अमेरिका फिर से एक नई विश्व शक्ति के रूप में स्थापित हो गया। हालांकि बीसवीं सदी की समाप्ति और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के बाद चीन ने अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद और एकमात्र विश्व शक्ति होने के दर्जे को चुनौती दी और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के कुछ समय बाद ही वैश्विक परिदृश्य में बदलाव आया। पर दुनिया के पढ़े-लिखे और अपने आप को सभ्य समझने वाले लोगों के लिए अमेरिका रहने और सुखमय जीवन जीने के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्नीसवीं सदी में अमेरिका दुनिया के लोगों की नजरों में एक लोकतांत्रिक राज्य था, जहां संपन्नता और आजादी दोनों उपलब्ध थीं। शक्ति और संपन्नता के शीर्षकाल में भी अमेरिका सीआइए के माध्यम से समूची दुनिया के देशों में उथल-पुथल करने के बीजारोपण का केंद्र बना रहा और गैरअमेरिकी दुनिया के देशों को कैसे अस्थिर रखना है, कहां कैसे अनुकूल सरकारें बनवाना हैं या प्रतिकूल सरकारों को गिराना है, इन सब षड्यंत्रों का केंद्र भी अमेरिका रहा।

ज्ञानी के लिए

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

अध्यात्म

कार्टून

जीवन में एकाग्रता की सीख धनुर्धर अर्जुन से लें

हमें शुरुआत से ही बार-बार ध्यान लगाकर काम करने की सीख दी जाती है पर वर्तमान में इस पर गौर किया जाए, तो ध्यान की कमी नजर आती है। एकाग्रता के संबंध में धनुर्धर अर्जुन से सीख लें। अर्जुन को अपने लक्ष्य के अतिरिक्त कुछ दिखाई नहीं देता था।

जब मन एक कार्य पर एकाग्र होता है, उस समय ध्यान की तीव्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप आप कार्यों को भली-भांति संपन्न करते हैं। आज के समय में जब प्रतियोगिता इतनी अधिक बढ़ गई है तो गहन कार्य या पूर्ण एकाग्रता के साथ काम करना न सिर्फ समय का सदुपयोग है, बल्कि समय नियोजन भी है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या की अगर कोई काट है तो वह मानसिक एकाग्रता के साथ संपन्न किया गया कर्म ही है। अगर आप इसे जीवन का धर्म बना लें तो इसके बाद आपकी क्षमता पूर्ण रूप से विकसित हो पाती है।

उपनिषदों में दो शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं- कर्म और धर्म। धर्म का अर्थ है हमारा स्वभाव और कर्म जो हम करते हैं। कर्म में हमारी दृष्टि बाहर की ओर होती है और धर्म हमें अपने अंदर की ओर मोड़ देता है, अपने अंतर्मन की ओर। मन को लेकर हमें ज्ञात है कि इसे नियंत्रण में करना अति कठिन है, क्योंकि मन में भांति-भांति के उद्वेग उठते रहते हैं। इसे मन का विकार कहते हैं और जब यह मन विचलन से रहित हो जाता है उस शांत निर्विकार दशा को आत्मा कहते हैं। एकाग्रता वह बिंदु है जहां पर धर्म और कर्म आपस में मिल जाते हैं और व्यक्ति स्वयं को लक्ष्य के प्रति समर्पित कर देता है। इसके बाद आप को अर्जुन की तरह चिड़िया की आंख के अतिरिक्त और कुछ दिखाई नहीं देता है। फिर कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती है।

इस मंदिर में प्रवेश के लिए पुरुषों को रखना पड़ता है स्त्री वेश

सनातन धर्म में तीर्थ-स्थानों में पूजा-पाठ को लेकर कई तरह के नियम और परंपराएं हैं जिनका पालन सदियों से हो रहा है। इसी के तहत देश के कुछ मंदिरों में जहां महिलाओं का प्रवेश वर्जित है, वहीं केरल में एक ऐसा मंदिर है जिसमें पुरुषों को प्रवेश की अनुमति नहीं है। अगर इस मंदिर में दर्शन करना ही है तो प्रवेश करने के लिए पुरुषों को भी महिलाओं की तरह ही 16 श्रृंगार कर जाना होता है।

केरल के कोल्लम जिले में स्थित यह मंदिर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी का है। इस मंदिर के नियम के अनुसार यहां सिर्फ महिलाएं और किन्नर ही प्रवेश पा सकते हैं। वहीं पुरुषों को प्रवेश के लिए स्त्री का वेश धारण करना पड़ता है।

इस मंदिर में न सिर्फ महिलाएं और किन्नर बड़ी संख्या में देवी पूजन के लिए आते हैं बल्कि पुरुष भी नियम के अनुसार महिलाओं के कपड़े पहन कर देवी की पूजा करते हैं।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू का पर्व विशेष रूप से मनाया जाता है। जिसमें शामिल होने के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। जिन्हें मंदिर में प्रवेश के लिए न सिर्फ स्त्रियों के कपड़े पहनने पड़ते हैं बल्कि उनकी तरह 16 श्रृंगार करते हुए गहने, गजरा आदि भी लगाना पड़ता है।

चाम्याविलक्कू त्योहार में शामिल होने वाले पुरुष श्रद्धालुओं को सजने-संवरने के लिए एक अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। जहां पर वे महिलाओं की तरह 16 श्रृंगार करते हैं। इस मंदिर में प्रवेश के लिए भले ही कपड़ों आदि को लेकर नियम और शर्तें हों लेकिन उम्र का कोई बंधन नहीं है। यहां हर उम्र का पुरुष महिलाओं की तरह श्रृंगार करके प्रवेश पा सकता है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी के मंदिर की खास बात यह भी है कि इसके गर्भगृह के ऊपर छत और कलश नहीं है। मान्यता यह भी है कि यहां देवी स्वयं प्रकट हुई थीं। देवी के पूजन के लिए यहां पर बड़ी संख्या में किन्नर आते हैं।

मान्यता है कि श्री कोत्तानकुलांगरा देवी की शिला को जब पहली बार कुछ चरवाहों ने देखा तो उन्होंने वस्त्र, फूल आदि अर्पित करके देवी का पूजा किया। जिसके बाद देवी की इस शिला से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके पश्चात् इस मंदिर का निर्माण हुआ हालांकि इस मंदिर के बारे में यह भी कथा मिलती है कि जब कुछ लोगों द्वारा यहां इस शिला पर नारियल फोड़ा गया तो इस शिला से खून निकलने लगा था। उस चमत्कार को देखने के बाद लोगों ने इस शक्तिपीठ पर पूजन प्रारंभ कर दिया।

घर के कोनों पर निर्माण से होता है वास्तुदोष

कई बार देखा जाता है कि नये घर में जाने के बाद व्यक्ति की परेशानियां बढ़ जाती हैं। इसके पीछे सही वास्तु के अनुसार घर का निर्माण नहीं होना भी जिम्मेदार हो सकता है। कई घरों में लोग किसी एक कोने में भी निर्माण करा लेते हैं। कोई कमरा या गैराज बनाकर उसका उपयोग करते हैं। वास्तु के अनुसार, इस तरह के निर्माण का घर और उसमें रहनेवाले व्यक्तियों पर विपरीत प्रभाव पढ़ता है।

ईशान कोण पर ढक्कन का प्रभाव : प्लॉट की पूर्व और उत्तर दिशा के मिलने पर बने कोने को ईशान कोण कहते हैं। अगर इस कोण पर ढक्कन लगा दिया जाए तो इस घर में रहनेवाले लोगों का जीवन कष्टों से भर सकता है। उन्हें कई प्रकार की समस्याएं आ सकती हैं। वास्तु के अनुसार, यह निर्माण खासतौर पर घर के बड़े पुत्र के लिए कष्टदायी हो सकता है।

आग्नेय कोण पर निर्माण : यदि कंपाउंड वॉल के आग्नेय कोण यानी पूर्व और दक्षिण दिशा के मिलने की जगह पर निर्माण करा दिया जाता है तो इससे परिवार में अनहोनी और अकाल मृत्यु की स्थितियां निर्मित हो सकती हैं।

वायव्य कोण में ढक्कन होना

प्लॉट की कंपाउंड वॉल के वायव्य कोण यानी उत्तर और पश्चिम दिशा के कोने पर यदि निर्माण कराया जाता है तो इस घर में रहनेवाले लोगों को आर्थिक और पारिवारिक जीवन में बहुत ही अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जब तक भाग्य घर के लोगों का साथ देता है, तब तक इन प्रभावों का अहसास नहीं होता लेकिन जैसे ही ग्रह-स्थिति बदलती है तो परिवार की हालत बहुत खराब हो जाती है।

नैऋत्य कोण में निर्माण

कंपाउंड वॉल के नैऋत्य कोण (दक्षिण और पश्चिम का कोना) को कवर करने पर यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो बुरे प्रभावों से बचा जा सकता है। जैसे, केवल कंपाउंड वॉल पर ही कमरे का निर्माण करें। इस कमरे की छत या दीवार मुख्य भवन की छत या दीवार से न मिलती हो और इन दोनों के बीच कम से कम 4 फीट की दूरी जरूर हो। अगर इस नियम का ध्यान नहीं रखा जाता और छत आपस में मिल जाती है तो इसे नैऋत्य कोण का बढ़ाव माना जाता है, जो कि घर के लिए अशुभ होता है।

नहीं बनना चाहिए ऐसा ग

यदि आप नैऋत्य कोण में कंपाउंड वॉल पर कमरा बना रहे हैं तो इसका फर्श घर के फर्श के बराबर या घर के फर्श से ऊंचा रख सकते हैं लेकिन इसका फर्श घर के फर्श से नीचा नहीं रखना चाहिए। इसका फर्श नीचा होने पर यह नैऋत्य कोण का गड्ढा बन जाता है, जो घर के लिए हानिकारक होता है।

आध्यात्मिक जीवन से होता है दैवीय गुणों का विकास

दैवीय गुणों का विकास करने के लिए आध्यात्मिक जीवन के अभ्यासी बनें क्योंकि इस जीवनशैली में स्वाभाविक रूप से जीवन की सिद्धि, सफलताएं, समाधान और कल्याण के सूत्र मौजूद हैं। इसमें क्षमाशीलताएं, विनय और परमार्थ जैसे अनेक सद ?गुणों का स्थायी वास रहता है। जन्म, जरा और मृत्यु भौतिक शरीर को सताते हैं आध्यात्मिक शरीर को नहीं। आध्यात्मिक व्यक्ति ईश्वरीय शक्ति संपन्न बन जाता है। अध्यात्म जीवन का ऐसा सत्य है, एक ऐसी अनिवार्यता है जो देर-सबेर जीवन का सचेतन हिस्सा बनती है और लौकिक अस्तित्व को पूर्णता देती है। इस तरह यह विश्लेषण विवेचन व चर्चा से अधिक जीने का अंदाज है जिसे जी कर ही जाना व पाया जा सकता है। प्राण वायु की तरह हर पल अध्यात्म तत्व को जीवन में धारण कर हम अपने जीवन की खोई हुई जीवंतता और लय को पुन-प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार हमारे व्यक्तित्व में दैवीय गुणों का विकास होता है और एक विश्वसनीयता एवं प्रमाणिकता जन्म लेती है।

जीवन में भक्ति और दिव्य कर्मों के विषय में सब कुछ जानने का प्रयत्न ही अध्यात्म है। जिस समय हम शांति, अकारण सुख व आनंद की अवस्था में होते हैं, हम अपने वास्तविक स्व में, गहन अंतरात्मा में जी रहे होते हैं। सही मायने में अध्यात्म एक दर्शन है चिंतन धारा है, विद्या है, हमारी संस्कृति की परंपरागत विरासत है। यह आत्मा, परमात्मा, जीव, माया, जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म, सृजन, प्रलय की अबूझ पहेलियों को सुलझाने का प्रयत्न है। देखा जाए तो स्वयं को स्वयं से जोड़ने का नाम आध्यात्मिकता है।

इस संसार में मानव जीवन से अधिक श्रेष्ठ अन्य कोई उपलब्धि नहीं है। एकमात्र मानव जीवन ही वह अवसर है जिसमें मनुष्य जो भी चाहे प्राप्त कर सकता है। इसका सदुपयोग मनुष्य को कल्पवृक्ष की भांति फलीभूत होता है। जो मनुष्य इस सुरदुर्लभ मानव जीवन को पाकर उसे सुचारू रूप से संचालित करने की कला नहीं जानता यह उसका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। मानव जीवन वह पवित्र क्षेत्र है जिसमें परमात्मा ने सारी विभूतियां बीज रूप में रख दी हैं जिनका विकास नर को नारायण बना देता है। किंतु इन विभूतियों का विकास तभी होता है जब जीवन का व्यवस्थित रूप से संचालन किया जाए। अध्यात्म हमें जीवन के द्वंद्वों के बीच सम रहने और विषमताओं को पार करने की शक्ति देता है। आध्यात्मिक दृष्टि में जीवन का लक्ष्य आत्म-जागरण, आत्म-साक्षात्कार, ईश्वर प्राप्ति है। यह प्रक्रिया स्वयं को जानने के साथ प्रारंभ होती है, अपनी अंतरात्मा से संपर्क साधने और उस सर्वव्यापी सत्ता के साथ जुड़ने के साथ आगे बढ़ती है।

अध्यात्म विवेक को जागृत करता है जो सहज स्फूर्त नैतिकता को संभव बनाता है और हम जीवन मूल्यों के स्रोत से जुड़ते चले जाते हैं। अध्यात्म अंतर्निहित दिव्य क्षमताओं एवं शक्तियों के जागरण, विकास के साथ व्यक्तित्व की चरम संभावनाओं को साकार करता है। आज हम जिन महामानवों अथवा देव मानवों को आदर्श के रूप में देखते हैं वे किसी न किसी रूप में इसी विकास का परिणाम होते हैं।

भगवान की ऐसी प्रतिमाएं देती हैं अशुभ फल

हिंदू धर्म के ज्यादातर घरों में भगवान का मंदिर या फिर मूर्तियां होती हैं, जिनके हर रोज दर्शन और पूजा करते हैं। हम पूजा इस आस्था से करते हैं कि इनका शुभ प्रभाव घर पर पड़े, क्योंकि भगवान के दर्शन मात्र से ही मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है पर वास्तु के अनुसार, कई मूर्तियां ऐसी भी होती हैं कि जिनके दर्शन करने से मनुष्य पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसी मूर्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके दर्शन करना वास्तु के अनुसार गलत बताया गया है।

होता है नकारात्मक ऊर्जा का संचार

वास्तु के अनुसार, भगवान की ऐसी किसी तस्वीर या मूर्ति के दर्शन करने से बचना चाहिए। जिसमें वह किसी से युद्ध करते या फिर विनाश करते नजर आ रहे हों। ऐसी मूर्तियां घर में भी नहीं रखनी चाहिए क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

दर्शन करना होता है अशुभ

घर में कभी भी ऐसी मूर्ति या तस्वीर न रखें, जो टूटी हुई या फिर खंडित हो। उनके दर्शन करना अशुभ माना गया है। ऐसी मूर्ति के दर्शन करना दुख का कारण बन सकता है। इस तरह की मूर्तियों को नदी में सर्वा कर देना चाहिए या फिर पीपल के पेड़ के नीचे रख देनी चाहिए।

नहीं लाएं ऐसी मूर्ति

घर में हमेशा भगवान की खड़ी प्रतिमा के बजाय आसन पर विराजमान मूर्तियों को लाना चाहिए। ऐसी प्रतिमा या तस्वीर अधिक शुभ व लाभ प्रदान करती है। साथ ही उनका मुंह सौम्य और हाथ आशीर्वाद देते हुए हों। वास्तु के अनुसार कभी भी घर में रौद्र मूर्ति नहीं लानी चाहिए।

घर में फैलती है अशांति

वास्तु विज्ञान के अनुसार, घर में कभी भी भगवान शिव के अवतार भैरव देव, नटराज, शनि देव और राहु-केतु की मूर्ति या तस्वीर को घर में नहीं लाना चाहिए। इनके दर्शन मंदिर में ही करने चाहिए घर में इनकी पूजा नहीं करनी चाहिए। ऐसी मूर्ति लाने से घर में अशांति फैलती है।

दुर्भाग्य को मिलता है निमंत्रण

घर के मंदिर में कभी भी एक ही भगवान की दो प्रतिमाएं या फिर तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से दुर्भाग्य को निमंत्रण मिलता है। साथ ही आप जहां भी पूजा कर रहे हों वहां अग्नि से संबंधित जैसे- विघुत मोटर्स आदि चीजें नहीं रखनी चाहिए।

दरिद्रता का होता है वास

भगवान की मूर्ति या तस्वीर घर में इस तरह नहीं रखनी चाहिए, जहां उनका पीछे का भाग यानी पीठ दिखाई दे रही हो। भगवान की पीठ के दर्शन करने से पुण्य कर्म का प्रभाव कम होता है। माना जाता है कि भगवान की पीठ के दर्शन करने से दरिद्रता का वास होता है।

देश में भाजपा ही एक मात्र पार्टी जो समयबद्धता के साथ संगठनात्मक चुनाव कराती है -चौधरी

संगठन पर्व में बिना किसी दबाव व प्रभाव के योग्य कार्यकर्ताओं का चयन -भूतड़ा

♦भारत टाइम्स♦

(हरिप्रसाद शर्मा)अजमेर /। भाजपा अजमेर देहात संगठन पर्व ज़िला कार्यशाला ज़िलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा की अध्यक्षता में भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक को मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि संगठन पर्व ज़िला कार्यशाला के साथ ही इस पर्व का आगाज है ,हमें बूथ समितियों,मण्डल अध्यक्ष व ज़िलाध्यक्ष के चुनाव समयबद्धता के साथ मिल जुलकर सभी से चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्धारित समय पर कराये।उन्होंने कहा की प्रदेश में अजमेर देहात समयबद्धता के साथ श्रेष्ठ कार्य करने वाले नंबर वन ज़िले की छवि है । इस कार्य को भी उत्सव के रूप में मनाते हुए नंबर वन पर रहे। इस मौके पर कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि भाजपा ही एक मात्र ऐसा संगठन जो लोकतांत्रिक पद्धति व समयबद्धता के साथ चुनाव कराता है और अजमेर देहात हर कार्य प्रदेश के निदेर्शानुसार समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के रूप में पहचाना जाता है।प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत व प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना ने भी संबोधित करते कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी जो अन्य पार्टियों से अलग छवि रख कर देश की सेवा करती है। भाजपा अजमेर देहात ज़िलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा ने ज़िले के कार्यकताओं की भूरि-भूरी प्रसन्नसा करते हुए कहा कि हमेशा की भाति इस बार भी साधारण व सक्रिय सदस्यता में समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करते हुए अजमेर देहात प्रदेश में चौथा व विधानसभा की दृष्टि से आँकलन करे तो नंबर वन पर है ,आज जब इस अभियान को पूर्ण कर रहे है तो साधारण सदस्य ऑन लाइन 2 लाख 18 हजार और ऑफ लाईन 15 हजार के लगभग यानि 2 लाख 33 हजार सदस्य बने है तो सक्रिय सदस्यता में 2500 सदस्य बनाकर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि ने कहा कि संगठन सर्चना में हमें आयु वर्ग का ध्यान में रखते हुए युवा, नये व अनुसूचित जाति व महिला वर्ग के आरक्षण को ध्यान में रखते हुए बिना किसी दबाव व प्रभाव के योग्य कार्यकताओं को आगे लाकर संगठन का गठन करें। ज़िला संगठन पर्व सहयोगी शेलेंद्र भार्गव ने कहा कि हमें बूथ पर जाकर सभी को सूचित कर बैठक कर सर्व सम्मति से बूथ समितियों के गठन कार्य पूर्ण करना है । कार्यशाला को विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत,रामस्वरूप लाम्बाआदि ने भी संबोधित किया।

निशुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर संपन्न 225 लोगों के आंखों के नेत्र जांच की गई तथा 125 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरण किए गए

♦भारत टाइम्स♦

चोहटन /डूंगर राठी। निशुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर रविवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 तक कमठा मजदूर यूनियन के प्रांगण में श्रीमती हलीमा देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र सेवानिवृत्ति क्षेत्रीय वन अधिकारी खेताराम डगला के सौजन्य से आयोजित किया गया।इस शिविर में 225 लोगों के आंखों की जांच की गई तथा 125 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरण किए गए। बाड़मेर के दृष्टि आई हॉस्पिटल के नेत्र चिकित्सक शंकर सिंह राजपुरोहित ने लोगों के आंखों की जांच की गई। f

नशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर की जानकारी देते हुए कमठा मजदूर यूनियन के सचिव महेश सिंह राजपुरोहित ने बताया कि शिविर प्रातः 10:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक आयोजित किया गया। इस शिविर में विशेष कर कमठा मजदूरी में काम करने वाले लोगों तथा क्षेत्र में हस्तशिल्प में कार्य करने वाली महिलाओं के आंखों की जांच की गई। यह शिविर सेवानिवृत्त क्षेत्रीय वन अधिकारी खेताराम भील ने अपनी माता श्रीमती हलीमा देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया था। हलीमा देवी ने इस चौहटन कस्बे में दाई मां के रूप में काम किया। पुराने जमाने में प्रसव के समय हॉस्पिटल की सुविधा बहुत कम थी। उसे समय सफल प्रसव कराना बहुत मुश्किल काम था लेकिन स्वर्गीय हलीमा देवी ने इस कार्य को बखुबी निभाया।अपनी स्वर्गीय मां की प्रथम पुण्यतिथि पर खेताराम डगला ने इस शिविर का आयोजन करवाया। शिविर के समापन पर दृष्टि आई हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ का एसबीआई बैंक के मैनेजर मनोज कुमार कामत तथा वन विभाग से दीपक कुमार की सानिध्य में अभिनंदन किया गया। इस शिविर को सफल बनाने के लिए भील समाज के कर्मचारी संघ के शंकर दहिया, कमठा मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गोरधन गठवीर, उपाध्यक्ष हेमाराम फुलवरिया, नेहरू नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मग राजपुरोहित मैं अपनी सराहनीय सेवाएं दी।

स्वागत में पहुंचे वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल...

विनम्रता से बड़ा बनता है व्यक्ति- युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

सूरत शहर से विहार कर ओलपाड में शांतिदूत का प्रथम पड़ाव

मानवता का शंखनाद करते हुए सद्भावना के संदेश के साथ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी सूरत शहर को पावन बना अब भुज मयार्दा महोत्सव के लिए गतिमान हो गए है।

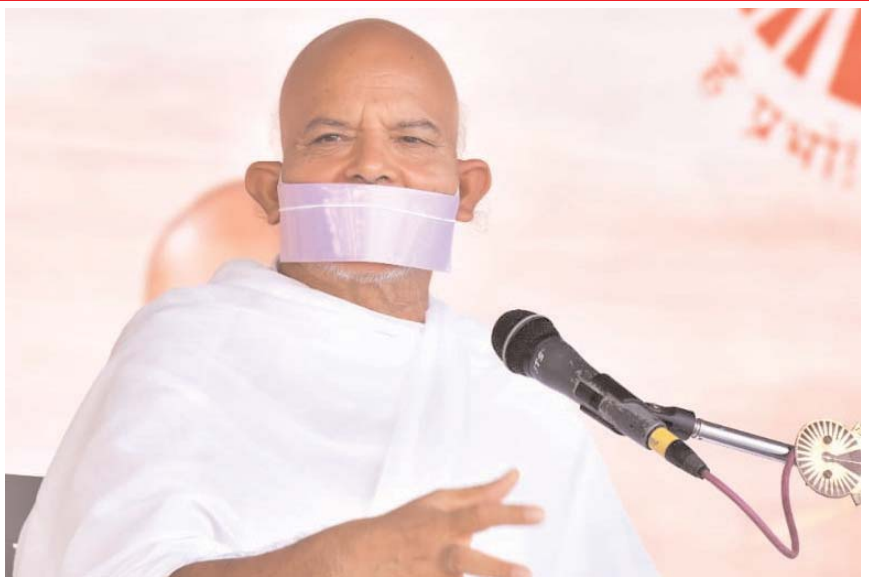

♦भारत टाइम्स♦

ओलपाड। सूरत (गुजरात)। मानवता का शंखनाद करते हुए सद्भावना के संदेश के साथ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी सूरत शहर को पावन बना अब भुज मयार्दा महोत्सव के लिए गतिमान हो गए है। आचार्य श्री के प्रवास से समूचे सूरत शहर में एक नई आध्यात्मिक जागृति आई है। किन्तु साधु तो मानो मानों नदी की भांति होते है जो सबको तृप्त करते हुए सदा गतिमान रहती है। इसी चरैवेति चरैवेति सूत्र के साथ आचार्य श्री महाश्रमण जी धवल सेना के साथ अंकलेश्वर, भरूच, वडोदरा, बोचासन होते हुए राजकोट की ओर विहार रत हो गए है। एक जनवरी को नववर्ष का कार्यक्रम डोलीया में मनाया जाएगा वहीं 31 जनवरी से 16 फरवरी 2025 में भुज में मयार्दा महोत्सव का आयोजन संभावित है। प्रातः जहांगीरपुरा स्थित महावीर संस्कार धाम से आचार्यश्री ने प्रस्थान किया। मार्ग में जगह जगह श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री गंतव्य की ओर गतिमान हुए। आज का विहार लगभग 12 किमी का था। ओलपाड के श्रावक समाज में आचार्य श्री के आगमन को लेकर विशेष हर्षोल्लास छाया हुआ था। स्थानीय महादेव शास्त्री विद्यालय में गुरुदेव का प्रवास हुआ। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मुकेश पटेल धवल सेना के स्वागत हेतु विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने अपने विचारों की भी प्रस्तुति दी।

मंगल प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा झ्र हमारे पास भाषा की शक्ति प्राप्त है और भाषा के माध्यम से हम अपनी बात दूसरे तक पहुंचा सकते हैं। दुनिया में विविध प्रकार की भाषाएं है, अन्य प्राणियों की भी अपनी एक भाषा होती है। मनुष्य की भाषा सबसे समृद्ध भाषा है। लेकिन व्यक्ति को यह चिंतन रहना चाहिए कि मैं कब बोलूँ व कब न बोलूँ व क्या बोलूँ ? न तो बोलना बड़ी बात होती है और न ही नहीं बोलना बड़ी बात होती है। बड़ी बात है बोलने व न बोलने के बीच विवेक का होना। नुपुर बोलता रहता है अतः उसका स्थान पैरों में व हार बोलता नहीं, अतः उसका स्थान गले में होता है। बोलना भी एक कला है। जो बात संक्षेप में कही जा सके उसे क्यों खिंचा जाए। बात को लम्बाना व निस्सार बोलना ये वाणी के विष हैं और सीमित व सारपूर्ण बोलना वाणी का गुण है।

गुरूदेव ने आगे फरमाया कि कटुभाषिता से बचकर मधुर बोलना चाहिए। किन्तु मधुरता के साथ यथार्थता भी हो। मधुर भाषा तो वशीकरण का काम करती है। पहले तोलो फिर बोलो, यह वाणी की कलात्मकता है। गुस्से में व्यक्ति कुछ भी कह देता है। गुस्सा हार है व क्षमा उपहार है। पहले खुद झुको तो दूसरा अपने आप झुकेगा। विनम्रता से व्यक्ति बड़ा बनता है। अहं का भाव नहीं होना चाहिए। बड़ा वह होता है जो बडप्पन रखता है व जिसका स्वभाव बड़ा होता है।

इस अवसर पर मुनिश्री कमल कुमार जी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। ओलपाड समाज से श्री भेरूलाल दक, श्री अशोक दक, डॉ मुकेश दक, ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष श्री बाबूलाल मेहता, विधि मुकेश शाह, क्रिनव बोल्या ने अपने विचार रखे। महिला मंडल एवं कन्या मंडल की बहनों ने प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय स्तर खेलकूद प्रतियोगिता में मेडल विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। जिला तीरंदाजी संघ जिला जोधपुर ने राष्ट्रीय स्तर विद्यालयी तीरंदाजी खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 मेडल विजेता खिलाड़ियों का प्रतिभा सम्मान समारोह दिनांक 01.12.2024 को जिला शिक्षा अधिकारी पुरुषोत्तम जी राजपुरोहित के अध्यक्षता में एकलव्य तीरंदाजी अकादमी रघुवीर नगर शिकारगढ़ के खेल मैदान में आयोजित किया गया जिसमें कंपाउंड प्रतियोगिता में आदित्य भाटी ने स्वर्ण पदक व ललित कुमार ने कांस्य पदक मैं तथा रिकर्व ग्रुप में आयांश बिश्नोई ने रजत पदक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष हापु राम चौधरी, सचिव सुरेंद्र सिंह सीरवी क्रीड़ा भारती के जोधपुर प्रांत मंत्री ओम सिंह राजपुरोहित,कौशिक व्यास नगर महामंत्री तथा ममता क्षोत्रि सेवानिवृत्त उपजिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा ने बधाई दी।

जिला तीरंदाजी संगठन की तरफ से सभी पदक विजेताओं तथा प्रशिक्षक घनश्याम खींची व पारस राम को पारितोषिक वितरित किया गया मंच का संचालन तीरंदाजी कोच घनश्याम खींची व पारस राम ने किया अंत में धन्यवाद ज्ञापन जिला तीरंदाजी अध्यक्ष हापुराम ने किया।

श्री आईजी सेवा संघ बन्दरगटा ने मनाया स्नेह मिलन, मनुष्य का मन पानी की तरह है: महात्मा तुरियानंदजी

♦भारत टाइम्स♦

बेंगलूरू। श्री आईजी सेवा संघ बन्दरगटा ने दीपावली स्नेह मिलन आईमाता वडेर में शनिवार को संत महात्माओं के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आईमाताजी तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुई। संस्था के अध्यक्ष केवलराम पंवार ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। सामारोह में आए मानव सेवा समिति बेंगलूरू के प्रभारी संत तुरियानंद, गुणवंतानंद ने विभिन्न ग्रंथो के आधार पर प्रवचन दिए। संत तुरियानंद ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का मन पानी की तरह है। पानी को जिस बर्तन में डालेंगे वह उस आकर को धारण कर लेता है। उसी तरह मन को भी जैसे निमित में रखेंगे, वेसा होगा। मन को हमें खराब निर्मितों से दूर रखना होगा। मन को सदाचारी रखना है।

दुराचार से दूर रखना है तो हमें जहां-जहां हमारा मन कुसंस्कारों को धारण करता है वहां से मन को दूर करना होगा। स्थानीय भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रंदालु भावविभोर होकर झूमते रहे। सामारोह में आए मुख्य अतिथी सीरवी महासभा कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार महासचिव अमरचन्द सातपुरा, सह सचिव भुण्डाराम हाम्बड बळेकहल्ली, जिग्नी वडेर के अध्यक्ष मांगीलाल राठौड़, भोलाराम का माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया। महासचिव अमरचन्द सानपुरा ने सम्बोधित किया। महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार ने कहा कि स्नेह मिलन एक दूसरे को आपसी प्रेम व भाईचारे को जोडने का काम करता है। कार्यक्रम में पधारे अतिथीयों का माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर प्रसादी का आयोजन किया गया। महिला मडंल, गेर मंडल, नवयुवक मंडल द्वारा संत महात्माओं का गाजे बाजे के साथ भव्य बधावा कर स्वागत किया गया।

श्रमिकों और जरूरतमंदों को बांटे मफलर, कैप और शॉल, जयपुर की संस्था ने अलवर में आकर बांटे उपहार

♦भारत टाइम्स♦

अलवर /राजेश गुप्ता। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से जयपुर की संस्था फीडिंग हैंडस की ओर से अलवर के बिजली घर चौराहे पर विजन संस्थान, दिवाकरी और गुरु नानक कॉलोनी दाउदपुर में जरूरतमंदों को गर्म मफलर, शॉल और जर्सियां वितरित की गई। नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि इस अवसर पर फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन, अमरदीप सिंह सोनी व सुमेधा संस्था की सचिव डॉ. रश्मि जैन ने बिजली घर चौराहे पर स्थित विजन संस्थान के निशुल्क भोजन वितरण के समय श्रमिकों और जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित किए। नेक कमाई फाउंडेशन के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि फीडिंग हैंडस का यह सहयोग सराहनीय है। इस मौके पर विजन संस्थान के हिमांशु शर्मा को निशुल्क भोजन बेहतर तरीके से संचालन के लिए सममानित किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने कहा कि अलवर की तपोभूमि में कोई भूखा नहीं मर सकता और नेक कमाई फाउंडेशन किसी को सर्दी में कंपकपाने नहीं देगा। नेक कमाई फाउंडेशन फीडिंग हैंडस और डा. गोपाल रॉय चोधरी ट्रस्ट के साथ मिलकर अन्य संस्थाओं के सहयोग से सर्दी में गर्म कपड़ों का वितरण आए दिन करेगा। इसी प्रकार मानस की ओर से जरूरमंदों को गर्म कपड़े वितरण किए जा रहे हैं जिसमें सहयोग दिया जा रहा है। कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश गुप्ता हुंडी वाले ने कहा कि अलवर में जयपुर से आकर सेवा करना अपने आपमें अनुकरणीय है। कार्यक्रम में सौरभ कालरा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सोनिका अरोड़ा, जितेन्द्र सेतिया, प्रवीन बत्रा, उमा छाबड़ा और कमला यादव ने सेवा भावी कार्य किए। अंत में निष्ठा नारंग ने आभार जताया। फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन ने बताया कि अलवर में संस्था की ओर से आगामी दिनों में वितरण के लिए और भी गर्म कपड़े भेजे जाएंगे। अलवर में सेवा भावी कार्य अधिक हो रहे हैं जिससे यहां आकर प्रसन्नता मिलती है। कार्यक्रम में डा. रश्मि जैन ने अलवर वासियों को आभार जताया।

शहीद विजय के गांव पूठर में बनेगा शहीद मुख्य द्वार व ई लाइब्रेरी, पंचायत विकास एवं खनन मंत्री:कृष्ण लाल पवार

मंत्री ने सैनिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 21 लाख के अनुदान कि की घोषणा

♦भारत टाइम्स♦

हरियाणा/हिसार। (गरिमा)। हरियाणा के पंचायत विकास एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पवार ने रविवार को कारगिल शहीद हवलदार विजय के गांव पूठर में आयोजित सम्मान समारोह में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद हमारे लिए प्रेरणा है। हमें उनकी शहादत को नहीं भूलना चाहिए। शहीद हमारी धरोहर है। हम शहीदों की शहादत को नमन करते हैं। उन्होंने गांव में शहीद के नाम से ई लाइब्रेरी बनवाने व शहीद के नाम से मुख्य द्वार बनवाने का आश्वासन ग्रामीणों व शहीद के परिजनों को दिया। मंत्री ने इन दो गांवों के कार्यक्रम के बलाना की जमीन पर बनने वाले सैनिक भवन कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी किया। उन्हीं अपने कोटे से 21 लाख रुपए सैनिक कॉम्प्लेक्स में सहयोग के रूप में प्रदान करने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणा का है।

केंद्र सरकार ने वन मैन वन रैंक पेंशन की मांग को पूरा करके सैनिकों का सम्मान किया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार शहीदों का विशेष सम्मान करती है। हम आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो इसके पीछे शहीदों की शहादत व देश के प्रति उनका समर्पण है। सरकार शहीदों के परिवार का विशेष ध्यान रखती है। शहीद को विशेष सम्मान देती है जिसके वो हकदार हैं। सरकार शहीदों की विशेष सम्मान के साथ अन्त्येष्टि करती है व एक करोड रुपए की राशि उन्हें सहायता राशि के रूप में प्रदान करती है । शहीद के परिजनों को नौकरी का भी प्रावधान भी केंद्र सरकार ने किया है। कार्यक्रम में शहीद विजय के परिजनो ने एसडीओ सत्य प्रकाश मलिक, धर्मपाल जागलान, जसवीर टिताना, समाज सेवीका कुमारी रंजीता कौशिक, सरपंच सुमेर ,सुमित्रा जागलान , एपीआरओ दीपक पाराशर, स्टाफ राइटर सुरेंद्र मलिक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कानपुर में बोले उपराष्ट्रपति - सही रास्ते पर ले जाने वाली शिक्षा से ही जीवन बनता बेहतर

♦भारत टाइम्स♦
सुनील बाजपेई कानपुर।

आज यहां रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा जीवन को बेहतर बनाती है, और वही सही रास्ते पर ले जाती है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जो टैलेंट है वह गरीब, ग्रामीण इलाके में भी है। वहां भी जयपुरिया जैसी क्वालिटी की पहुंचने की जरूरत है। अपील करते हुए उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि कॉर्पोरेट घराने बेहतर स्कूल खोले और शिक्षा में मदद करें। उरफफंड का प्रयोग करें ताकि हर वर्ग तक शिक्षा पहुंच सके। पहले अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

राष्ट्रगान से शुभारंभ किए गए इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने पिछले 10 सालों में कई ऐसे निर्णय लिए हैं जो हमारे देश के लिए काफी बेहतर है। पहले हम सपना देखते थे क्या भारत विकसित होगा? लेकिन अब यह सपना नहीं हम लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। अब शिक्षा डिग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण विकास के लिए है। छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप उम्र के साथ-साथ ऐसा व्यवहार करें कि आपका ज्ञान खुद ही दिखाई देने लगे। माता-पिता के प्रति समर्पण की भावना रखें, गुरुजनों के सामने अनुशासन की भावना रखें और सोशल मीडिया से जितना हो सके उतना दूर रहे। मन में एक जिज्ञासा रखें जो मन में है वही काम करें, सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने अभी कहा कि पहले शिक्षा के क्षेत्र में अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि समाज में जो विकार पहले हैं वह शिक्षा ही दूर कर सकती है। इसीलिए सभी व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार दिया गया है। शिक्षा समय बदलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि असफलता हार नहीं बल्कि हमारी पूंजी है। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आज के बच्चों को नवाचार की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

सरोमणि ने अकाली दल को गठबंधन के दौरान भाजपा द्वारा की गई गलतियों को सुधारने की सलाह दी: भाई पंथप्रीत सिंह खालसा

♦भारत टाइम्स♦
संगत मंडी/बठिंडा (अशोक कुमार)

भाई पंथप्रीत सिंह खालसा ने संगत कैंचियां में गुरमति सेवा लहर भाई बख्तौर (बठिंडा) के वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए अकाली दल के नेताओं से कहा कि अगर अब श्रीरोमणि अकाली दल को समझ आ गया है। कि बीजेपी के पालने में खेलने वाले अकाली दल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, इसलिए अब तक अकाली-बीजेपी गठबंधन के दौरान जो गलतियां हुई हैं, बीजेपी अकाली दल को अब सुधार लाने को कहा। उन्होंने बीजेपी/आरएसएस के इशारे पर अकाली-बीजेपी गठबंधन के दौरान की गई गलतियों का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य बात सरोमणि अकाली दल को पंजाबी पार्टी में बदलना, पंजाब और पंथ के बुनियादी मुद्दों को पूरी तरह से भूल जाना है. नानकशाही कैलेंडर को रद्द करना और डेरावाद को जन्म देना शामिल है भाई पंथप्रीत सिंह ने कहा कि अगर वह दिल से बीजेपी के विरोध में खड़े हैं यदि वे ईमानदारी से यह दिखाना चाहते हैं कि वे भाजपा के विरोध में खड़े हैं, तो वे तीन काम बहुत आसानी से

कर सकते हैं क्योंकि उनके पास स्रोमणि कमेटी का संगठन है, जिसमें पहला है नानकशाही कैलेंडर को तुरंत बहाल करना, दूसरा है। सरोमणि कमेटी द्वारा मुद्रित सिख रेहित कोड को लागू करके पंथ में एकरूपता और एकता की भावना पैदा करना और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण बिंदु श्री अकाल तख्त साहिब और अन्य तख्तों के जत्थेदारों की योग्यता, नियुक्ति, कार्य है। क्षेत्र एवं कार्यशैली के लिए नियम बनाना तथा वर्ष में दो बार वैसाखी दिवाली के अवसर पर सरबत खालसा बुलाकर गहन चिंतन द्वारा हर बड़े एवं विवादास्पद मुद्दे का समाधान खोजने का मार्ग प्रशस्त करना। जत्थेदारों की नियुक्ति, कार्य क्षेत्र और बर्खास्तगी के संबंध में पूर्व जत्थेदार ज्ञानी जोगिंदर सिंह वेदांती द्वारा 2000 में श्रीमोमणि कमेटी को दिए गए निदेशों पर यदि ईमानदारी से अमल किया गया होता तो बादल दल को आज यह दुर्गति नहीं झेलनी पड़ती। अगर अब भी यह एहसास हो रहा है कि बीजेपी हमारे धार्मिक संस्थानों, सरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और श्री अकाल तख्त साहिब पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रही है। अगर सरोमणि अकाली दल और पंथ को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो तुरंत ये तीन काम करें। यदि सिख राजनीतिक रूप से कमजोर हो गए हैं तो कृपाण पहनने पर प्रतिबंध या गुरु नानक साहिब के झूले के निर्माण जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

उन्होंने मौजूदा सरकार से ईशनिंदा मामले को सही ढंग से आगे बढ़ाने और इस मामले को फैसले तक पहुंचाने के लिए भी कहा। ईशनिंदा कांड और माउर बम कांड के भगोड़े लोगों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए.

इस समय हर साल की तरह इस साल भी रक्तदान किया गया जिसमें कई लोगों ने रक्तदान किया. भाई पंथप्रीत सिंह के अलावा गुरमति सेवा आंदोलन से जुड़े सिख प्रचारक भाई सतनाम सिंह चंदर, बीबी गगनदीप कौर, डॉ. हरदीप सिंह ख्यालीवाला, भाई रघबीर सिंह ख्यालीवाला, भाई कुलविंदर सिंह बीबीवाला, ढाडी जत्था भाई गुरभाग सिंह मरूर, मक्खन सिंह रोंटा, भाई परगट सिंह मुदकी आदि अन्य प्रचारकों ने भी संबोधित किया। भाई परगट सिंह मुदकी वाला ने कार्यक्रम की पूरी कार्यवाही का अपनी वेबसाइटों के माध्यम से सीधा प्रसारण किया।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न

♦भारत टाइम्स♦
मंदसौर /जगदीश परमार

ए डब्लू सी पॉलीक्लीनिक अभिननंदन नगर द्वारा एवं ग्लोबल एकेडमी पब्लिक स्कूल के सहयोग से बुरहानी कॉलोनी में निशुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ए डब्लू सी पॉलीक्लीनिक के संचालक डॉ योगेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि

शिविर में करीब 65 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ परीक्षण किया गया और उचित इलाज किया गया।

शिविर में डॉ अजीत जैन हड्डी रोग विशेषज्ञ,डॉ मजहर हुसैन नेत्र रोग विशेषज्ञ ,डॉ दिलावर सिंह जनरल फिजिशियन,डॉ रजनी मेहरा स्त्री रोग विशेषज्ञ,डॉ निहार मेहरा दंत चिकित्सक आदि ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में मरीजों का फुल बीडी स्कैन भी किया गया।

हमारे संविधान एवं संस्कृति में निहित बंधुत्व की भावना से ही भारत देश का विकास संभव है : डॉ. भूपेश बघेल

संविधान दिवस हीरक जयंती पर असोगा में संविधान चौंक-बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर मूर्ति का लोकार्पण किया गया

♦भारत टाइम्स♦
मंदसौर /जगदीश परमार

- **भारत के संविधान में निहित सभी लोगों के लिए समान अधिकार और समता का अवसर आज भी अधूरे हैं - विनोद कोसले को फाउंडर सोजलीफ**
- **विगत 5 वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ भूपेश बघेल के द्वारा असोगा को मिला 4 करोड़ से अधिक का विकास कार्य - अशोक रिंगवानी सरपंच असोगा**
- **असोगा के उत्तरोत्तर विकास में योगदान देने वाले जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों का संविधान दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री के हाथों ग्राम पंचायत ने सम्मान करवाया**

♦भारत टाइम्स♦
छत्तीसगढ़/परस साहू

विश्व के सबसे श्रेष्ठ और सबसे बड़े भारत के संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मर्पित करने के 75 वर्ष पूरे होने पर असोगा में संविधान दिवस हीरक जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार 30 नवंबर किया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ भूपेश बघेल के अनुशंसा से स्वीकृत 2.30 लाख की लागत से बने संविधान चौंक एवं बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर मूर्ति तथा 3 लाख की लागत से बने साहू समाज के अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षादूत राजेन्द्र मारकण्डे द्वारा संविधान के प्रस्तावना वाचन से करवाया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि के आसंदी से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ भूपेश बघेल ने कहा कि हमारे संविधान एवं संस्कृति में निहित बंधुत्व की भावना से ही भारत देश का विकास संभव है। साथ ही संविधान पर कार्य करने वाले सोजलीफ के को फाउंडर विनोद कोसले ने कहा कि भारत के संविधान में सभी लोगों के लिए समान अधिकार और समता का अवसर निहित है, जो कि आज संविधान अंगीकृत अधिनियमित और आत्मर्पित होने के 75 वर्ष बाद भी अधूरे हैं। जिस पर सभी जिम्मेदार लोगों को कार्य करने की जरूरत है।

इस दौरान असोगा के सरपंच अशोक रिंगवानी ने विगत 5 वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ भूपेश बघेल के अनुशंसा से असोगा में स्वीकृत 4 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए शेष बचे घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने हेतु पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधायक डॉ भूपेश बघेल का ध्यान आकृष्ट कराया।

साथ ही असोगा गांव के उत्तरोत्तर विकास में योगदान देने वाले पूर्व सरपंचों व मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकताओं सहित गणमान्य नागरिकों का पूर्व मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया।

देवादास बंजारे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पंथी कलाकार संत अमोलदास टंडन द्वारा लिखित एवं छत्तीसगढ़ राज्य भाषा आयोग द्वारा अनुमोदित पुस्तक सौंजिया के दिन बहुँरगे का वितरण भी इस दौरान उपस्थित अतिथियों को किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, विशिष्ट अतिथि आशीष वर्मा पूर्व ओएसडी, अमोलदास टंडन देवादास बंजारे सम्मानित, विनोद कोसले को फाउंडर सोजलीफ, विशेष अतिथि राकेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर, सोहन जोशी सेक्टर प्रभारी, अंशु रजक जनपद सदस्य, भविष्य जैन प्रभारी,आदित्य टंडन योग एवं आयुवेर्दाचार्य, दुलार सिंह ठाकुर शिक्षक,दीनदयाल कोसले समाजसेवी, उपसरपंच रमेश टंडन, सचिव सियाराम तारक, पूर्व सरपंच ईश्वर वर्मा, शत्रुघ्न वर्मा, सीताराम ठाकुर, श्रीमती जानकी चोपड़िया पूर्व जनपद सदस्या,कोवेन्द्र साहू अध्यक्ष साहू समाज, कृष्णा साहू,राजू साहू, भूषण साहू, श्रीमती भगवती साहू,लोकनाथ यादव सेवानिवृत्त शिक्षक,जोहन जोशी सेवानिवृत्त शिक्षक, श्रीमती भानमती कुर्रे शिक्षिका,मूशन घृतलहरे,पुरूषोत्तम धनकर सहित बड़ी संख्या में पंचगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मानवता के विस्तार का सूत्र है, सनातन संस्कृति . कृष्णा नन्द पाण्डेय

♦भारत टाइम्स♦
वाराणसी -

धरोहर संरक्षण सेवा संगठन द्वारा सनातन विस्तार के उद्देश्य को लेकर अनवरत चल रहे संस्कृति संवाद यात्रा की बैठक का (18 वाँ पड़ाव) श्री कच्चा बाबा मन्दिर,जाल्हूपुर वाराणसी, मे आयोजित किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जितेन्द्र यादव ने किया,

मुख्य वक्ता संगठन के प्रमुख संयोजक कृष्णा नन्द पाण्डेय ने कहा कि सनातन व मानवता एक दूसरे पर्यायवाची है, सनातन ही मानवता है व मानवता ही सनातन है, हमे पढ़ने की जरूरत है, जब तक हम धर्मग्रंथों का अध्ययन नहीं करेंगे,तब तक सनातन रक्षा का सूत्र प्राप्त नहीं हो सकता है।

शस्त्र व शास्त्र दोनों मे पारंगत हर

सनातनी होगा तभी मानवता की रक्षा हो पाएगी , यह कहना अतिशयोक्ति नहीं हैं कि सनातन ही मानवता का रक्षक है , सनातन के विस्तार से ही मानवता की रक्षा सम्भव है , वक्ताओं मे श्री विंध्यवासिनी पाण्डेय ने हर सनातनी को सैनिक व सनातन विस्तार योद्धा बनना पड़ेगा, अब समय आ गया है हर सनातनी को साधक के साथ योद्धा बनना होगा । गौरव मिश्र ने कहा कि सनातन संस्कृति को जन जन तक पहुँचाना होगा हमारी परम्पराएँ ही पूरी दुनिया को सुख की अनुभूति कराती है, श्री श्याम कार्तिक मिश्र ने कहाकि , सनातन संस्कृति विश्व का कल्याण हो का उद्घघोष करती है , ऐसी परम्परा , संस्कृति की रक्षा के लिए हमे अपने सर्वोच्च बलिदान के लिए तैयार रहना होगा । सोनू गौड़ प्रधान ने विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सनातन समाज को संगठित होकर अपनी संस्कृति का विस्तार करने का समय आ गया है , पूरे विश्व का कल्याण सनातन संस्कृति ही कर सकती है।

कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से सर्वश्री ओ. पी. सिंह,जितेन्द्र तिवारी, नीतीश पाण्डेय,रजत खरवार,रोहित यादव,दिलीप मिश्र,सच्चिदानन्द तिवारी, अतुल विश्वकर्मा, मेजर सुरेन्द्र सिंह,मनोज सिंह, प्रज्वल पाण्डेय , विनय सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जितेन्द्र यादव व श्याम कार्तिक मिश्र ने किया, कुशल संचालन श्री शुभम् पाण्डेय ने किया , कार्यक्रम का समापन सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ से हुआ ।

साहित्य सभा कैथल के भव्य मंच पर सुशीला देवी का तीसरा काव्य संग्रह *चित्रण प्रकृति का* हुआ लोकार्पण

कैथल। नगर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य सभा कैथल द्वारा आज रविवार को नगर के आर.एस.डी. कालेज के प्रांगण में 22 साहित्यकारों को किया गया सम्मानित,19 पुस्तकों का लोकार्पण एवं कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए साहित्य सभा के प्रेस सचिव डॉ. तेजिंद्र ने बताया कि इस सम्पूर्ण आयोजन की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उर्दू भाषा प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चंद्र त्रिखा द्वारा की गई।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने शिरकत की। जिसमें जिला करनाल ब्लॉक घरौंडा की हिंदी अध्यापिका श्रीमती सुशीला देवी की चौथी पुस्तक और तीसरा काव्य संग्रह *चित्रण प्रकृति का*पुस्तक का मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों द्वारा सुंदर और भव्य तरीके से लोकार्पण किया गया।सभी ने सुशीला देवी को हार्दिक शुभकामनाएं दी और कार्यक्रम में मंच से डॉ. प्रद्युम्न भल्ला का आभार व्यक्त किया।मंच से ही इस पुस्तक की एक कविता *नियम* का भी काव्य पाठ किया।जिसकी सभी उपस्थित जनों ने तारीफ की।

मनीष के शानदार प्रदर्शन के बदौलत परिचालन विभाग ने वाणिज्य विभाग को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव रामनगर,वाराणसी

30 नवम्बर को मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन एवं मंडल क्रीड़ा अधिकारी बलेन्द्र पाल के नेतृत्व में मंडल के मिनी स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय ळ-20 प्रतियोगिता में आज दिनांक 30 नवम्बर को पहला क्वार्टर फाइनल मैच वाणिज्य और परिचालन विभाग के बीच खेला गया ।परिचालन विभाग में टॉस जीतकर पहले वाणिज्य को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया वाणिज्य की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाएं ।वाणिज्य विभाग की टीम से दुर्गेश ने 23 बॉल पर 7 चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन, अमित राज ने 29 बॉल पर चार चौके की मदद से ०25 रन, लक्ष्मण ने 22 बॉल पर दो चौकों की मदद से 17

रन,डीसीएम रमेश पांडे ने 22 बॉल पर दो चौके में 14 रन और विष्णु मीणा ने 9 बॉल पर 12 रन बनाए ।परिचालन विभाग की तरफ से मनीष ने तीन ओवर में 24 रन देकर दो विकेट लिए, रामप्रवेश, विमलेश, और गौरव को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ ।146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए परिचालन विभाग के टीम ने 18.5 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।परिचालन विभाग की तरफ से मनीष ने शानदार बैटिंग करते हुए 44 बॉल पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 55 रन बनाएं गजानन ने 21 बॉल पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 35 रन बनाए, रामप्रवेश ने 14 और अरविंद कुमार ने 11 रनों का योगदान दिया । वाणिज्य विभाग की तरफ से विष्णु ने तीन ओवर में 10 रन देकर दो विकेट और लक्ष्मण में तीन ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिए अंकुर तिवारी और भूषण को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ ।55 रनों की बेहतरीन इनिंग खेलने वाले और दो विकेट लेने वाले परिचालन विभाग के मनीष कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्का आरपीएफ रीम के कप्तान सतीश चन्द्रा के द्वारा दिया गया ।

कल चिकित्सा और विद्युत टीआरडी के बीच दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाएगा ।

विश्व एड्स दिवस पर रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
रजा सिद्दीकी, गया

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) और एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के वालंटियरों द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मानव सेवा और सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों, और कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक और 6/6 कंपनी, 6 बिहार बटालियन एनसीसी, गया के एएनओ डॉ धनंजय कुमार ने अपना रक्तदान कर किया।

शिविर में डॉ निधि त्रिपाठी सहायक प्राध्यापक ए. एम. कॉलेज, गया और डॉ प्रियंका कुमारी सहायक प्राध्यापक गया कॉलेज, गया के साथ साथ, एनसीसी कैडेट्स मुन्ना कुमार, विकास कुमार, सोनू कुमार, बाबू विकास, गौरव कुमार, सरोज कुमार, शिवम कुमार, शुभम कुमार, अनुज कुमार, और रुपाली कुमारी ने रक्तदान कर इस सेवा कार्य को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ राकेश राय एवं डॉ मोहन सिंह, और 6 बिहार बटालियन एनसीसी गया के बीएचएम भगत सर, सीएचएम भोला सिंह, और हवलदार राकेश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 65 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया और अपनी सहभागिता से इसे एक प्रेरणादायक आयोजन बनाया। डॉ धनंजय कुमार ने कहा, ₹रक्तदान न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने का माध्यम है, बल्कि यह समाज में मानवता और एकता का संदेश भी देता है। विश्व एड्स दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी को इस घातक बीमारी के प्रति जागरूक होना चाहिए।

सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री, नव दम्पतियों को दिया आशीर्वाद, बोले-

दहेज प्रथा पर प्रहार व सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 1200 जोड़े बंधे विवाह के पवित्र बंधन में

♦भारत टाइम्स♦
गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज न ले-दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है।

अच्छी सरकार में होते हैं अच्छे कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव-गांव, घर-घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं तेज उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज लिए आयुष्मान कार्ड दिए। जबकि पहले घरों में शौचालय न होने से नारी गरिमा पर आंच आती थी। लकड़ी और कोयले के धुएं से निकलने वाली खतरनाक गैस से महिलाओं की आंख और फेफड़े खराब होते थे। आज हर घर सिलेंडर होने से यह दिक्कत दूर हो ही गई है, साथ ही सरकार दिवाली और होली में मुफ्त सिलेंडर दे रही है। सीएम ने कहा कि सरकार हर तबके को लाभान्वित कर रही है। श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, निराश्रित, दिव्यांगजन आदि 1 करोड़ लोगों को 12 हजार रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। कन्या सुमंगला योजना के तहत 20 लाख बेटियों के स्वावलंबन के लिए 25 हजार रुपये का पैकेज दिया गया है।

ऐसा उत्सव जिसमें खुद मुख्यमंत्री कई जनप्रतिनिधियों संग आए

सीएम योगी ने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को एक ऐसा उत्सव बताया जिसमें मुख्यमंत्री खुद आए और साथ में कई जनप्रतिनिधि भी। उन्होंने कहा कि किसी एक शादी में उनके लिए समय निकाल पाना मुश्किल होता है लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व उत्सवी है जहां मुख्यमंत्री और कई जनप्रतिनिधि आए हैं। उन्होंने कहा कि आज विवाह बंधन में जुड़ने वाले युवा और उनके अभिभावक इसलिए भी भाग्यशाली हैं कि उनके विवाह का निमंत्रण स्वयं प्रशासन दे रहा है।

सीएम ने दस नवयुगलों को भेंट किया उपहार-शगुन किट

समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में 1200 जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिंदू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को उपहार-शगुन किट भेंट किया। उपहार देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया। मंच पर जोड़ों को आशीर्वाद देने के अलावा मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल के मुख्य मंडप में भी गए। मंडप की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ उन्होंने नवयुगलों और उनके अभिभावकों को विवाह की शुभकामनाएं दीं। मंडप में मुख्यमंत्री की नजर जब वहां बराती बनकर आए कुछ बच्चों पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे। उन्होंने उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी और पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे।

१६ जनवरी को शत्रुंजय महातीर्थ में होगी आत्मोद्धार - 8 के गच्छाधिपति नित्यसेनसूरीजी के हाथो मुमुक्षु ध्यान संघवी की दीक्षा

♦भारत टाइम्स♦
रहीम शेरानी झाबुआ

विश्व पूज्य दादा गुरुदेव प्रभु श्रीमद् विजय राजेंद्र सुरीश्वरजी महाराज साहब के सप्तम पट्टधर, पुण्य सम्राट गुरुदेव श्रीमद विजय जयंतसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब के शिष्य गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी महाराज साहब के वरद हस्त से आगामी 26 जनवरी 2025 प्रसिद्ध जैन तीर्थ, शाश्वत शत्रुंजय महातीर्थ सिद्धवड में आत्मोद्धार - 8 का आयोजन त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ के नेतृत्व एवं तरुण परिषद के संचालन में पोष वदि 12 दिनांक 26३ँ खअठवअफ 2025 को किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए रजत कावड़िया ने बताया कि, इस आत्मोद्धार में बालमुमुक्षु ध्यानकुमार शैलेषभाई संघवी, बालमुमुक्षु निश्वाबेन अंकितभाई वोहेरा, बालमुमुक्षु ताश्वीबेन निकुंजभाई वोहेरा, मुमुक्षु खुशीबेन अतुलभाई मोरखिया, मुमुक्षु जुली बेन सुरेश भाई मोरखिया शुभ मुहूर्त में श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छाधिपती श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा. के वरद हस्त से राजोहरण अंगीकार कर संयम ग्रहण करेंगे। साथ ही कावड़िया ने बताया कि प्रथम आत्मोद्धार वर्ष 2017 में थराद में पुण्य सम्राट गुरुदेव श्रीमद विजय जयंतसेन सुरीश्वरजी महाराजा की निश्रा में हुआ था जिसमे 25 आत्माओं ने संयम ग्रहण किया था।

शत्रुंजय में आयोजित इस आत्मोद्धार - 8 के आयोजन का लाभ थराद तीर्थ निवासी दोशी दिवालीबेन लल्लुभाई परिवार ने लिया है। इसी परिवार द्वारा पूज्य गच्छाधिपति की निश्रा में विराट 45 दिवसीय उपध्यान तप आयोजित किया जा रहा है, जो दिनांक 15 दिसंबर से प्रारंभ होगा, जिसकी माला 2 फरवरी 2025 को होगी।

सेंट अर्नोल्ड स्कूल मेघनगर में वार्षिक उत्सव हर्ष उल्लास एवं धूमधाम से मनाया

♦भारत टाइम्स♦
रहीम शेरानी झाबुआ

मेघनगर के प्रसिद्ध सेंट अर्नाल्ड स्कूल में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कि गई।

मुख्य अतिथि तहसीलदार श्रीमती ममता मिमरोट, थाना प्रभारी के, एल, वारकड़े, मेघनगर जनपद अध्यक्ष ललिता मुकेश, प्रोविशियल फादर मारिया पॉल राज, बी, ई, ओ, एन,एस, नायक, सुपीरियर फादर कश्मीर डामोर, विकार जनरल, फादर थॉमस पी, ए, मेनेजर फादर डिमेलो, प्राचार्य एंड्रयूज लोबू सिस्टर दीपा, पार्षद शायदा भाबर, जेम्स पाल, सरपंच सुमित्रा मचार, आदी ने दीप प्रचलित किया। मेघनगर सेंट अर्नोल्ड विद्यालय परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया लाईट डेकोरेशन मंच पर झिलमिलाती दूधिया रोशनी आकर्षण का केंद्र रही। सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में स्कूल के टैलेंटेड नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ बड़े स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया तो वहां उपस्थित दर्शक बने माता-पिता एवं

परिजनों ने दांतो तलें उंगलियां दबाई

प्राचार्य फादर एंड्रयूज लोबू ने स्कूल में कि गई साल भर की सभी गतिविधियों से अवगत कराया। मेघनगर सेंट अर्नोल्ड स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों में अच्छी पढ़ाई के साथ साथ खेल कुद एवं कला का हैरत अंगेज प्रदर्शन करने के लिए विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा विद्यालय के बच्चों को अच्छे संस्कार सिखाते हुए फरार्टेदार इंग्लिश बोलना एवं हैरत अंग्रेज कलाओं का प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत कर तैयार किया ।

रात्रि में आयोजित ठंडी ठंडी हवाओं के चलते बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच से एक से बढ़कर एक देश भक्ती एवं रिमिक्स गितो पर प्रस्तुतियां दी तो ठंडी हवाओं का एहसास भी नहीं हुआ

गत वर्ष कक्षाओं मे रैक में रहे बच्चों को पुरस्कृत किया गया

माता पिता परिजन देर रात्रि तक डटे रहे बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन करने पर खूब तालियां बटोरी कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे मेघनगर रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष महेंद्र सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती चंदनबाला शर्मा, कुसुम सोलंकी, पत्रकार रहीम शेरानी, राजेंद्र सोनगरा, फारुख शेरानी, मनिष गिरधाणी, प्रकाश भंडारी, मनिष नाहटा, जियाउल हक कादरी, निमिष नहाटा, प्रकाश प्रजापत, भूपेंद्र बरमडलिया संदीप खत्री, लोहीत झामर, आदी !

विहंगम योग संत समाज के शताब्दी समारोह में आएंगे सीएम योगी

- डी.एम. वाराणसी एस. राजलिंगम ने किया सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण
- 350 एकड़ भू-खण्ड में विस्तारित है सम्पूर्ण आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
वाराणसी -

विहंगम योग संत समाज का शताब्दी समारोह आगामी 6 एवं 7 दिसम्बर को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर 25000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है। इस महा आयोजन के निमित्त स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने 26 नवम्बर को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ को लखनऊ मुख्यमंत्री आवास पर मिलकर मुख्य अतिथि के रूप में निमंत्रित किया था, जिसपर माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपनी सहमति जताई थी, इसकी सूचना वाराणसी आला अधिकारियों को प्राप्त हो चुकी है।

इस निमित्त वाराणसी जनपद के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम के साथ ही साथ अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी श्री चन्नप्पा, उपायुक्त वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा, ए.सी.पी. सारनाथ अतुल त्रिपाठी, एस.ओ. चौबेपुर, चौकी इंचार्ज चिरईगांव, क्षेत्रीय तहसीलदार तथा सिंचाई विभाग और पी.डब्ल्यू. डी.के उच्च अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री 7 नवम्बर को 25000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ में शामिल होने के साथ ही साथ संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज के निर्देशन में संचालित सद्गुरु सदाफल देव आप्त वैदिक गुरुकुलम के नवविस्तार का भी उद्घाटन करेंगे जहाँ 300 विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आवासीय व्यवस्था है। वैदिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, खेलकूद, मलखम्भ आदि समस्त विषयों की शिक्षा यहाँ छात्रगण प्राप्त करते हैं. गुरुकुल सहित पूरे आयोजन में जहाँ-जहाँ मुख्यमंत्री जायेंगे सम्पूर्ण स्थलों का आला अधिकारियों ने निरीक्षण किया ।

तपस्वी सीएम योगी ने लहराया सनातन का परचम : अखाडा परिषद

- अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष बोले, मोदी-योगी ने बढ़ाया हिंदुत्व का मान
- देव सेनापति कार्तिकेय का अनुसरण करते हैं निरंजनी अखाड़ा के संत
- महाकुम्भ में गुरु निरंजन देव की दी जाएगी दीक्षा, 5000 लोग एक साथ छकेंगे प्रसाद
- इस बार महाकुम्भ में टूटेंगे सभी रिकॉर्ड, देश विदेश से आएंगे श्रद्धालु

♦भारत टाइम्स♦
प्रयागराज

तपस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व में सनातन का ऐसा परचम लहराया है, जो आज तक किसी ने नहीं किया है। 2019 का कुम्भ दिव्य और भव्य था और सीएम योगी की अगुवाई में महाकुम्भ 2025 उससे भी ज्यादा दिव्य और भव्य होगा। ये बातें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व का मान बढ़ाने वाला बताया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार के महाकुम्भ को अलौकिक रूप देने में लगे हैं, जिसमें देश दुनिया के साधु संत भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी क्रम में देशभर के शीर्ष महात्माओं का प्रयागराज में आगमन शुरू हो चुका है। अखिल भारतीय

आस्था का महाकुम्भ

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी भी प्रयागराज पहुंचकर अखाड़ों की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

इस बार टूटेंगे सभी रिकॉर्ड

उन्होंने कहा कि तपस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन का ऐसा परचम लहराया है कि देश विदेश की नजरें भारत पर आकर टिक गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन की परंपरा को बुलंद किया है। देश के ऐसे शीर्ष नेतृत्व ही दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक महा आयोजन को साकार कर सकते हैं। दिव्यता और भव्यता के लिहाज से इस बार का महाकुम्भ सबसे अलौकिक होने जा रहा है, जिसमें पुराने सभी रिकार्ड ध्वस्त होने जा रहे हैं।

नया गुरु नहीं, बनाते हैं गुरु भाई

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने निरंजनी अखाड़ा के माहात्म्य के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि निरंजनी अखाड़ा के संत देव सेनापति कार्तिकेय का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा यहां दीक्षा लेने के बाद सभी को गुरु भाई बनाया जाता है। यहां किसी को अलग से नया गुरु बनाने की कोई परंपरा नहीं है। हम सबके गुरु निरंजन देव जी हैं।

3 साल की मेहनत का मिलेगा प्रसाद

महाकुम्भ की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से वर्षों पूर्व तैयारी शुरू हो जाती है। इस बार के महाकुम्भ को लेकर 3 साल पहले से ही योजनाएं शुरू कर दी गईं। यहां महाकुम्भ में भक्तों के प्रसाद के लिए करीब 3 साल पहले से ही जरूरी संसाधन जुटाए जाने लगे। जिसमें देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ और स्वादिष्ट प्रसाद का इंतजाम किया गया है। जिसमें पांच पांच हजार लोग एक पंक्ति में बैठकर महाकुंभ के पवित्र प्रसाद का आनंद लेंगे।

1008 कुंडीय यज्ञ, जड़ी बूटियों की सुगंध से महक उठेगा समूचा महाकुम्भ

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि इस बार के महाकुम्भ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए साधु संत भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र सुगंधित जड़ी बूटियों के हवन से महक उठेगा। यहां सभी सनातनी एकत्र होने जा रहे हैं। महाकुम्भ में दुनिया भर के संत महात्माओं का आगमन हो रहा है। जिसके लिए यज्ञ के माध्यम से संपूर्ण वायुमंडल को सुगंधित बनाए जाने की तैयारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेंगे सनातन बोर्ड के गठन पर फैसला

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को महाकुम्भ में धर्म संसद का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें देश भर के प्रमुख साधु संत हिस्सा लेंगे। यहीं से सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव तैयार होगा। जिसे केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। हम चाहते हैं कि जो भी बोर्ड बने वह केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त हो। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस बोर्ड में कोई भी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। 26 जनवरी को संगम की रेती पर चारों पीठ के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों और अन्य धमार्चार्यों को आमंत्रित किया जाएगा।

निर्मल मेहता शाजापुर जिले के प्रभारी नियुक्त

झाबुआ। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी भवर जितेंद्र सिंह सह प्रभारी संजय दत्त एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने झाबुआ जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल मेहता को शाजापुर जिला कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त

किया है। उल्लेखनीय की मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से संपूर्ण जिलों में प्रभारी सह प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। मेहता के प्रभारी नियुक्त होने पर होने पर कांतिलाल भूरिया विधायक वीर सिंह भूरिया डॉ. विक्रांत भूरिया आदि ने बधाई दी है।